सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 07, नई दिल्ली । बुधवार, 20 मार्च 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

लोग चाहे मुट्ठी भर हों, लेकिन संकल्पवान हों, अपने लक्ष्य में दृढ आस्था हो, वे इतिहास को भी बदल सकते हैं।

03 ईडी के सभी समन को अरविंद केजरीवाल ने दी चुनौती...
06 स्कूल के सालाना समारोह कितने हितकारी
08 चुनाव आयोग ने जयहिंद नेशनल पार्टी को दिया बाँसुरी चुनाव चिन्ह

777 करोड़ में बनी दिल्ली की प्रगति मैदान टनल 18 महीने में बदहाल

जांच के लिए बनी एक्सपर्ट कमेटी; 30 दिन में देगी रिपोर्ट

दिल्ली की प्रगति मैदान टनल 18 महीने में ही बदहाल हो गई है। टनल रोड पर दरारें पानी रिसाव और ट्रैफिक जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है। इससे लोगों के लिए सुविधा आफत बन गई है। इसे लेकर पीडब्ल्यूडी और निर्माण कंपनी के बीच विवाद बढ़ गया है। पीडब्ल्यूडी ने मामले की जांच के लिए विशेषज्ञों की समिति बनाई है जो 30 दिनों के अंदर अपनी रिपोर्ट देगी।

संजय बाटला

नई दिल्ली। प्रगति मैदान सुरंग सड़क में पानी के रिसाव पर अपनी रिपोर्ट देने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने पांच विशेषज्ञों की समिति बना दी है। समिति इस मामले में 30 दिन के अंदर रिपोर्ट देगी।

विशेषज्ञ समिति आइटीपीओ सुरंग में पानी के रिसाव के संबंध में इसकी निर्माणकर्ता कंपनी एलएंडटी द्वारा प्रस्तुत विधि विवरण और प्रस्ताव की जांच करेगी। समिति सुरंग के मूल डिजाइन और उसकी कारीगरी की भी जांच करेगी। समिति में डीएमआरसी, सीपीडब्ल्यूडी तथा पीडब्ल्यूडी के अधिकारी शामिल किए गए हैं।

कंपनी को भेजा था 500 करोड़ का नोटिस

बता दें कि सुरंग सड़क को लेकर विवाद उस समय बढ़ गया था, जब उपराज्यपाल वी के सक्सेना के निर्देश पर फरवरी में लोक निर्माण विभाग ने घटिया काम का आरोप लगाकर निर्माणकर्ता कंपनी एलएंडटी (लार्सन एंड टूब्रो) को 500 करोड़ रुपये का कानूनी नोटिस भेजा था।

उस समय उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्य सचिव नरेश कुमार को विभाग के संबंधित अधीक्षण अभियंता और अधिशासी अभियंता के खिलाफ कार्रवाई के लिए भी कहा था। लोक निर्माण विभाग ने कंपनी को दिए नोटिस में उन मुद्दों को उठाया था जिनके कारण एक बेहतर परियोजना बदतर हालत में पहुंच गई। जिसमें मुख्य मुद्दा सुरंग सड़क में हो रहे जलभराव को लेकर उठाया गया था।

समस्या दूर करने के लिए दिया था 15 दिन का समय

एलएंडटी ने परियोजना पर काम किया था, जिसमें परियोजना के डिजाइन की एलएंडटी की जिम्मेदारी थी। लोक निर्माण विभाग ने कहा कि इसमें डिजाइन संबंधी खामियां सामने आई हैं। विभाग ने समस्याएं दूर कराने के लिए कंपनी को 15 दिन का समय दिया था। उधर, कंपनी ने भी पीडब्ल्यूडी को 500 करोड़ का नोटिस भेज दिया था। उसके बाद कंपनी से सुरंग सड़क में काम कराया है।

पीएम मोदी ने जून 2022 में किया था उद्घाटन

मगर जल रिसाव की समस्या दूर नहीं हुई है। सुरंग सड़क का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 19 जून 2022 को किया था। उद्घाटन के कुछ समय के बाद से लगातार इसमें पानी का रिसाव हो रहा है। सुरंग की दीवारें खराब हो रही हैं। गत 17 जनवरी को एलजी वी के सक्सेना ने प्रगति मैदान सुरंग सड़क का निरीक्षण किया था। एलजी ने पाया था कि सुरंग सड़क जल जमाव और रिसाव के मुद्दों का सामना कर रही है।

एलजी ने किया था सुरंग का निरीक्षण

इससे नाराज एलजी के निर्देश पर पीडब्ल्यूडी ने एलएंडटी को कानूनी नोटिस जारी किया, जिसमें प्रतिष्ठा को नुकसान तथा आश्वासन के बावजूद निष्क्रियता के लिए 500 करोड़ रुपये की मांग की गई है। एलजी ने इससे पहले अगस्त 2023 और सितंबर 2023 में भी सुरंग का निरीक्षण किया था और दौरे में तीनों बार एलएंडटी के वरिष्ठ प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

777 करोड़ रुपये आई थी परियोजना पर लागत

एलएंडटी को भी जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने को कहा गया। परियोजना पर कुल लागत 777 करोड़ रुपये आई थी। सुरंग सड़क का उपयोग इंडिया गेट से रिंग रोड पर आने जाने के लिए किया जाता है। इसकी लंबाई करीब सवा किलोमीटर है।

यह सुरंग प्रगति मैदान के नीचे से गुजरती है और मथुरा रोड पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से आकर रिंग रोड पर आने के लिए भी इसका उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा इसी परियोजना के तहत मथुरा रोड पर बनाए गए चार अंडरपास में भी पानी का रिसाव हो रहा है। इस परियोजना के तहत पांचवां अंडरपास भैरों मार्ग से रिंग रोड पर आने-जाने के लिए बनाया जा रहा है जो अभी निर्माणाधीन है।

तीन घंटे के भीतर नहीं कराई प्रदूषण जांच तो कटेगा 10 हजार का चालान, 100 पेट्रोल पंपों पर लगे सीसीटीवी

परिवहन विशेष न्यूज

पेट्रोल पंप पर पहुंचते ही वाहन का नंबर प्लेट सीसीटीवी कैमरों के जरिये स्कैन होगा। 30 सेकंड में पता चल जाएगा कि वाहन के पास वैध प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाणपत्र है या नहीं। यदि नहीं है तो पेट्रोल पंप पर लगी स्क्रीन में बता दिया जाएगा।

नई दिल्ली। राजधानी में वाहनों के वैध प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाणपत्र नहीं हैं तो अब यह लापरवाही भारी पड़ने वाली है। परिवहन विभाग ने वाहनों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बेस्ड कैमरों से नजर रखने के साथ ई-चालान भेजने की कार्रवाई तेज कर दी है। दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में 100 पेट्रोल पंपों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों के बेहतर संचालन के लिए परिवहन विभाग एक एकीकृत एप्लीकेशन शुरू करने जा रहा है। इसके जरिये पेट्रोल पंपों पर लगे सीसीटीवी कैमरे एप्लीकेशन से जुड़ जाएंगे। परिवहन विभाग ने इसके लिए 6 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया है, यह पांच वर्ष के लिए होगा।

पेट्रोल पंप पर पहुंचते ही वाहन का नंबर प्लेट सीसीटीवी कैमरों के जरिये स्कैन होगा। 30 सेकंड में पता चल जाएगा कि वाहन के पास वैध प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाणपत्र है या नहीं। यदि नहीं है तो पेट्रोल पंप पर लगी स्क्रीन में बता दिया जाएगा। अगर तीन घंटे के भीतर प्रदूषण जांच नहीं करवाया तो 10 हजार रुपये का चालान काट दिया जाएगा। वर्तमान में दिल्ली के 25 पेट्रोल पंपों पर सीसीटीवी कैमरे से चालान किया जा रहा है। अब परिवहन विभाग इसे बढ़ाकर 100 पेट्रोल पंपों पर यह व्यवस्था लागू करेगा। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले कुछ समय में दिल्ली के सभी पेट्रोल पंपों पर व्यवस्था लागू की जाएगी।

> बीते एक माह में पेट्रोल पंपों पर आने वाले 88,347 वाहनों के पीयूसी प्रमाणपत्र की जांच की गई, जिसमें सामने आया कि 20,942 वाहनों के पास वैध पीयूसी नहीं थी। यानी 23 .70 प्रतिशत वाहन वैध पीयूसीसी के बिना पाए गए।

एक माह में 88,347 वाहनों की हुई जांच

इस व्यवस्था के तहत बीते एक माह में पेट्रोल पंपों पर आने वाले 88,347 वाहनों के पीयूसी प्रमाणपत्र की जांच की गई, जिसमें सामने आया कि 20,942 वाहनों के पास वैध पीयूसी नहीं थी। यानी 23.70 प्रतिशत वाहन वैध पीयूसीसी के बिना पाए गए। विभाग ने हर जिले के 2-3 पेट्रोल पंपों पर पीयूसी प्रमाणपत्र जांच करने के लिए विशेष कैमरे लगाए हैं। वैध पीयूसी प्रमाणपत्र नहीं होने पर एक महीने में 5,202 वाहन मालिकों के मोबाइल पर 10-10 हजार रुपये का ई-चालान भेजा गया।

जागरूक हो रहे वाहन मालिक

परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस नई व्यवस्था से वाहन मालिक जागरूक भी हो रहे हैं। बीते माह पीयूसीसी नहीं होने का संदेश जब वाहन मालिकों को गया तो करीब 15 हजार 740 वाहन मालिकों ने दो घंटे के भीतर पीयूसी प्रमाणपत्र बनवा लिया, जिन्होंने नहीं बनवाया उन्हें 10-10 हजार रुपये का ई-चालान भेजा गया।

होली पर यात्रियों को तोहफा, दिल्ली के इन तीन प्रमुख बस अड्डे से चलेंगी यूपी की 200 अतिरिक्त बसें

परिवहन विशेष न्यूज

होली में आने में बस छह दिनों का ही समय बचा है। ऐसे में जो लोग होली पर घर जाना चाहते हैं, तो उनके लिए यूपी परिवहन विभाग ने अतिरिक्त बसें चलाने का फैसला किया है। ये बसें दिल्ली के इन तीन अड्डों से चलेंगी।

नई दिल्ली। होली आने में बस कुछ ही दिनों का समय बचा हुआ है, ऐसे में रेलवे और परिवहन विभाग अपनी-अपनी तरफ से यात्रियों के लिए विशेष तैयारी करते है। यात्रियों के सफर को सुविधाजनक बनाना हर विभाग का लक्ष्य होता है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने होली के त्योहार को देखते हुए बस सेवाओं में इजाफा करने का फैसला किया है। आमतौर पर ट्रेनों में त्योहार के दो महीने पहले से ही टिकट बुकिंग शुरू हो जाती है। इसी वजह से लोगों के पास परिवहन का ही ऑप्शन बचता है। यूपी परिवहन दिल्ली के तीन बस अड्डे से बस सेवाओं का संचालन करता है, जिनमें आनंद विहार, सराय काले खां और कश्मीरी गेट शामिल है। होली के त्योहार को देखते हुए परिवहन निगम ने ट्रेनों में टिकट की मारामारी से सबक लेते हुए परिवहन निगम ने बस सेवा में इजाफा किया है। होली के समय इन तीन बस स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या काफी ज्यादा बढ़ जाती है। ऐसे में प्रयास यह रहेगा कि बस अड्डों पर अनाउंसमेंट की जाए ताकि यात्रियों को बसें ढूंढने में कोई परेशानी ना हो। क्षेत्रीय प्रबंधक ए के दास का कहना है कि परिवहन विभाग द्वारा होली के लिए खास व्यवस्था की जा रही है। इन बसों को मिलाकर तकरीबन 929 बसें हैं, जिसमें एसी बसें भी शामिल हैं। होली के त्योहार को ध्यान में रखते हुए 200 अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की गई है। साथ ही, बसों के फेरे बढ़ाने पर भी फोकस किया जा रहा है।

नितिन गडकरी की बड़ी घोषणा- सभी शहरों में शुरू करेंगे इलेक्ट्रिक बस सेवा, दिल्ली से शिमला-चंडीगढ़ का रूट भी होगा कवर

परिवहन विशेष न्यूज

देश में यातायात के साधनों का इलेक्ट्रिफिकेशन काफी जोर-शोर से चल रहा है और इस दिशा में सरकारी प्रयास भी खूब हो रहे हैं। इसी कोशिश में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि उनकी सरकार देश के सभी शहरों में इलेक्ट्रिक बसे चलाएंगे और साथ ही दिल्ली-शिमला, दिल्ली-चंडीगढ़ और पुणे-मुंबई समेत और भी लंबे रूट्स पर भी ई-बसों के परिचालन पर जोर देगी।

नई दिल्ली। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने परिवहन के विद्युतीकरण को लेकर बड़ी घोषणा की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि सरकार की अगले 5 साल में सभी भारतीय शहरों के साथ ही दिल्ली-शिमला, दिल्ली-चंडीगढ़ और मुंबई-पुणे जैसे कुछ लंबे मार्गों पर भी इलेक्ट्रिक बसें शुरू करने की योजना है।

केंद्रीय मंत्री ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि बैटरी की कीमतों में गिरावट से यात्रियों के लिए बसों का किराया 30 फीसदी कम हो जाएगा। साथ ही प्रदूषण कम करने में भी मदद मिलेगी। गडकरी ने बताया कि लिथियम-आयन बैटरी की लागत 150 डॉलर से घटकर 112 डॉलर प्रति किलोवाट प्रति घंटे हो गई है। ऐसा देश में इस सेगमेंट में 350 फीसदी की वृद्धि के कारण हुआ है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि जब बैटरी का दाम घटकर 100 डॉलर हो जाएगा, तो परिचालन लागत पेट्रोल और डीजल वाहनों के समान होगी। आप अगर एक महीने में पेट्रोल वाहनों पर 20-25 हजार रुपये खर्च करते हैं, तो इलेक्ट्रिक वाहनों पर आपको केवल दो हजार रुपये खर्च करने होंगे। देश में इलेक्ट्रिक वीइकल मैन्युफैक्चरिंग में तेजी आई है और सभी सिगमेंट में प्रोडक्शन बढ़ रहा है।

नितिन गडकरी ने कहा कि देश में 400 इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता हैं। आपको बता दें कि केंद्रीय मंत्री की ये बयान देश को इलेक्ट्रिक वाहनों के मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में बढ़ावा देने की योजना के लिए सरकार की मंजूरी के बैकग्राउंट में आए हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा था कि ईवी पॉलिसी पॉपुलर ग्लोबल ईवी निर्माताओं द्वारा ई-वाहन क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए बनाई गई है।

आपको बता दें कि ईवी नीति उन विदेशी कंपनियों के लिए न्यूनतम 4,150 करोड़ रुपये (लगभग 50 करोड़ डॉलर) का निवेश तय करती है, जो देश में इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करना चाहती हैं। इस योजना का उद्देश्य एलन मस्क के नेतृत्व वाली टेस्ला जैसे प्रमुख ईवी निर्माताओं से निवेश आकर्षित करना है। इसमें निवेश पर कोई ऊपरी सीमा तय नहीं की गई है। ईवी के लिए मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन के रूप में कम कस्टम ड्यूटी पर कारों के सीमित आयात की इजाजत दी जाएगी।

यहां जानना जरूरी है कि 2018 से लगातार चार बार दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित कैपिटल सिटी है.

दिल्ली फिर दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी

पाक के बाद भारत की हवा ही जहरीली

दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा किए दावों दिल्ली में सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहन और परिवहन विभाग के आला अधिकारी के द्वारा दिल्ली में जनता के खड़े हुए निर्धारित समय सीमा समाप्त वाहनों को अपने बल का प्रयोग कर अपने ही प्रिय स्क्रैप डीलरो को मिट्टी के भाव/ मुफ्त में स्क्रैप करने के लिए सुपुर्द करवा देने के भी बाद भी दिल्ली दुनिया मे सबसे प्रदूषित राजधानी घोषित

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन विभाग को छोड़कर सभी देशवासियों और खासकर दिल्लीवालों के लिए बहुत ही ज्यादा बुरी खबर है. दिल्ली एक बार फिर से दुनिया की सबसे प्रदूषित कैपिटल सिटी यानी राजधानी बन गई है. एक नई रिपोर्ट के अनुसार, बिहार का बेगूसराय दुनिया के सबसे प्रदूषित महानगरीय क्षेत्र के रूप में उभरा है, जबकि दिल्ली सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाली राजधानी बन गई है. यहां जानना जरूरी है कि 2018 से लगातार चार बार दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित कैपिटल सिटी है. स्विस संगठन आईक्यू एयर की विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 के अनुसार, औसत वार्षिक पीएम2.5 सांद्रता 54.4 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के साथ भारत साल 2023 में बांग्लादेश (79.9 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) और पाकिस्तान (73.7 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) के बाद 134 देशों में से तीसरी सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाला देश था. रिपोर्ट में साल 2022 में भारत को 53.3 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की औसत पीएम 2.5 सांद्रता के साथ आठवें सबसे प्रदूषित देश के रूप में स्थान दिया गया था. इस बार कि रिपोर्ट में 118.9 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की औसत पीएम2.5 सांद्रता के साथ बेगूसराय वैश्विक स्तर पर सबसे प्रदूषित महानगरीय क्षेत्र के रूप में सामने आया है. यहां हैरानी की बात है कि साल 2022 की रैंकिंग में बेगूसराय का नाम नहीं था. मगर इस बार इस शहर ने अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली का PM2.5 लेवल साल 2022 में 89.1 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से बिगड़कर 2023 में 92.7 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर हो गया. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को 2018 से लगातार चार बार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी का दर्जा मिला है. रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा अनुमान है कि भारत में 1.36 अरब लोग पीएम2.5 सांद्रता का अनुभव करते हैं, जो डब्ल्यूएचओ यानी विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी सालाना गाइडलाइन लेवल 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक है. साथ ही 1.33 अरब लोग यानी भारतीय आबादी का 96 प्रतिशत लोग पीएम2.5 के स्तर को डब्ल्यूएचओ के वार्षिक पीएम2.5 दिशानिर्देश से सात गुना अधिक अनुभव करते हैं. यह प्रवृत्ति शहर-स्तरीय डेटा में परिलक्षित होती है. भारत के 66 प्रतिशत से अधिक शहरों में वार्षिक औसत 35 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक है।

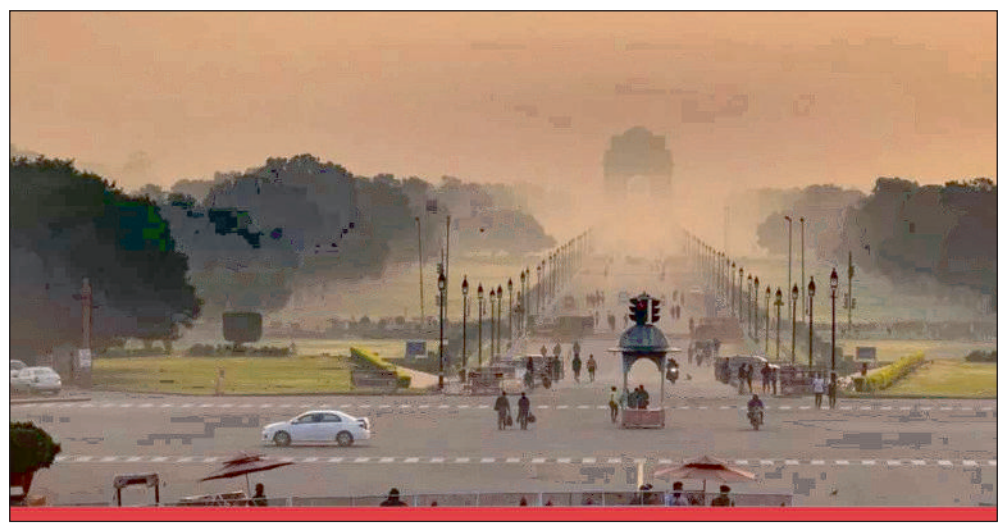

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इनसाइड

इस उम्र के बाद हर महिला जरूर कराएं ये टेस्ट, कैंसर से बचने की होगी गारंटी,अन्य बीमारियों का पता भी

पैप स्मीयर टेस्ट में महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा से कोशिकाओं को निकाला जाता है और उसकी जांच की जाती है. पैप स्मीयर टेस्ट में महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा से कोशिकाओं को निकाला जाता है और उसकी जांच की जाती है.

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक 2020 में एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर के कारण हुई है. हर 6 में से एक मौत कैंसर से होती है. इनमें से सबसे ज्यादा संख्या ब्रेस्ट कैंसर से होने वाली मौतों की है. इसके बाद महिलाओं में सबसे ज्यादा मौत सर्वाइकल कैंसर या गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से होती है.

डब्ल्यूएचओ के ही आंकड़ों के मुताबिक सर्विकल कैंसर से हर साल 5.30 लाख महिलाओं की मौत होती है. सर्वाइकल कैंसर की सबसे बड़ी वजह एचपीवी वायरस है. चिंता की बात यह है कि यह वायरस कई वर्षों तक महिलाओं के प्रजनन अंगों में निष्क्रिय रहकर फिर से सक्रिय हो सकता है. यही कारण है कि डॉक्टर 21 साल की उम्र से अधिक की सभी महिलाओं को नियमित रूप से पैप स्मीयर टेस्ट कराने की सलाह देते है.

पैप स्मीयर टेस्ट या पैट टेस्ट महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की जांच के लिए किया जाता है. इस टेस्ट के लिए महिलाओं की सर्विक्स से कोशिकाओं से सैंपल निकाला जाता है और इसका विश्लेषण किया जाता है. इससे महिलाओं के प्रजनन अंगों में अन्य चीजों के बारे में पता लगाया जा सकता है.

क्यों करानी जरूरी है सर्वाइकल कैंसर की जांच

मायो क्लिनिक के मुताबिक महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर बहुत ही गंभीर बीमारी है जिसमें अधिकांश मरीजों की मौत हो जाती है. सर्वाइकल कैंसर महिलाओं के प्रजनन अंगों यानी गर्भाशय के मुंह पर होता है. सर्वाइकल कैंसर की मुख्य वजह ह्यूमन पेपिलोमावायरस (human papillomavirus) है. यह वायरस फिजिकल रिलेशन बनाने वाली हर महिला में होता है. आमतौर पर इम्यून सिस्टम इस वायरस को खत्म कर देता है या रहता भी है तो कोई नुकसान नहीं पहुंचाता. लेकिन किसी-किसी महिलाओं में यह वायरस गर्भाशय ग्रीवा के पास लंबे समय तक निष्क्रिय हो जाता है और वर्षों बाद कभी भी सक्रिय हो जाता है. पैप स्मीयर टेस्ट से यह पता लगाया जाता है कि यह वायरस भविष्य में कैंसर तो नहीं दे सकता. अगर वायरस में कैंसर फैलाने की क्षमता होती है तो इसे हटाकर महिलाओं को मौत के मुंह से बचाया जा सकता है.

किसे कराना चाहिए यह टेस्ट

आमतौर पर डॉक्टर 21 से 65 साल के बीच हर महिलाओं को पैप स्मीयर टेस्ट कराने की सलाह देते हैं. हालांकि यह डॉक्टर बताते हैं कि पैप स्मीयर टेस्ट कराने का समय क्या है. आमतौर पर प्रति तीन साल में एक बार यह टेस्ट कराने के लिए कहा जाता है. 30 साल से उपर की महिलाओं को एचपीवी टेस्ट के साथ प्रति पांच साल में एक बार यह टेस्ट जरूर कराना चाहिए. लेकिन अगर महिलाओं में गर्भाशय से संबंधित जटिलताएं हैं तो डॉक्टर जल्दी-जल्दी भी यह टेस्ट कराने की सलाह देते हैं. अगर इम्यून सिस्टम कमजोर है, एचआईवी है, स्मोकिंग करती हैं, स्टेरॉयड का इस्तेमाल करती हैं तो ऐसी महिलाओं को जल्दी-जल्दी जांच की जरूरत पड़ती है.

जांच में क्या होता है

पैप स्मीयर टेस्ट में महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा से कोशिकाओं को निकाला जाता है और उसकी जांच की जाती है. इस प्रक्रिया के दौरान डॉक्टर संभावित प्रीकैंसर कोशिकाओं को काटकर हटा भी देती हैं. इस टेस्ट से गर्भाशय ग्रीवा की कोशिकाओं में किसी असामान्य बदलावों का पता लगाना होता है ताकि यह पता लगाया जा सके भविष्य में सर्विक्स में कैंसर होने का खतरा तो नहीं है. चूंकि सर्वाइकल कैंसर के लक्षण सालों तक बाहर नहीं दिखते।

इसलिए इस टेस्ट को नियमित रूप से कराने की जरूरत पड़ती. इससे लाखों महिलाओं की जान बचाई जा सकती है. हालांकि सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन आ गई और सरकार टीनएज में ही इस वैक्सीन को देने की योजना बना रही है.

कहीं आपको तो नहीं है सुपर वुमन सिंड्रोम? 5 तरीके से करें डील, आसान बनेगी लाइफ

सुपर वुमन सिंड्रोम यानी कि महिलाओं द्वारा हर क्षेत्र में बेहतर करने की कोशिश. दरअसल, कई ऐसी महिलाएं हैं जो एक साथ घर बाहर सम्हाल रही हैं और इन जिम्मेदारियों को पूरी तरह से निभाने में इस कदर व्यस्त हो चुकी हैं कि उनके पास खुद के लिए ना तो वक्त होता है और ना ही एनर्जी. इसके बाद भी उन्हें इस बात को लेकर अवसाद रहता है कि वे अपनी जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से नहीं निभा पा रहीं.

तेजी से भागती जिंदगी ने अगर किसी किसी के लाइफ को सबसे अधिक प्रभावित किया है तो वह है आज की कामकाजी महिलाएं. वे महिलाएं, जो रात दिन एक कर काम कर रही हैं और हर क्षेत्र में अव्वल रहने की कोशिश में अपनी सेहत के साथ खिलवाड़ कर रही हैं. कुछ महिलाओं पर तो खुद को हर काम में बेहतर दिखने का सनक तक सवार हो जाता है. दरअसल विज्ञान में इसे एक मानसिक बीमारी कहा जाता है जिसे सुपर वुमन सिंड्रॉम नाम दिया गया है. आपको बता दें कि यह एक तरह का अवसाद है जिसमें महिलाएं किसी काम को परफेक्ट ना कर पाने की वजह से आत्मग्लानि की शिकार हो जाती हैं.

शीदपीपल के मुताबिक, भारतीय समाज में महिलाओं पर एक मानसिक दबाव होता है जिसमें उसके पास सुपरवुमन बनना मजबूरी बन जाती है. समाज महिलाओं से उम्मीद करता है कि वह करियर के साथ साथ अपने घर की देखभाल, परिवार का पालन पोषण और बच्चे की परवरिश आदि की जिम्मेदारी सही तरीके से निभाए और हर उम्मीदों पर खरा उतरे. ऐसा ना होने पर उसमें कमियां निकाली जाती हैं और परिवार में तकरार शुरू हो जाता है.

महिला के कंधों पर इतनी जिम्मेदारियां उसके मानसिक और शारीरिक सेहत को नुकसान पहुंचाता है. अगर आप भी इन दिनों ऐसा महसूस कर रही हैं या बेहतर ना कर पाने की वजह से अवसाद में हैं तो हो सकता है कि आप इस बीमारी की चपेट में हों. इससे बचाव के लिए आप कुछ उपायों को आजमाएं और अंतर महसूस करें. सबसे पहले तो इस सिंड्रोम से बचने के लिए आत्म-अनुशासन अपनाएं. आप अनुशासित तरीके से हर काम को रुटीन से करें और उस रुटीन में खुद के लिए भी जरूरी वक्त निकालें. ये काम ऐसे हों जो आपको आनंद देते हों या आप इन्हें करना पसंद करती हैं.

भागदौड़ भरी जिन्दगी में थोड़ा ठहराव भी जरूरी है. इसके लिए अपनी प्राथमिकताओं की लिस्ट बनाएं और यह सुनिश्चित करें एक समय में एक ही काम करना है. मसलन, घर पर ऑफिस का काम न करें और ऑफिस जाकर घर की चिंता ना करें. अगर आप हाल ही में मां बनी हैं तो अपने बच्चे को प्राथमिकता दें और खुद के निर्णयों को लेकर पॉजिटिव सोच रखें.

अगर आप अवसादमुक्त जीवन चाहती हैं तो इसके लिए जरूरी है कि आप अपने रुटीन में सकारात्मक बदलाव लाएं. यह बदलाव आप सुबह की वॉकिंग से कर सकती हैं. आप अगर वॉक के लिए बाहर नहीं जा पा रहीं तो योगा मैट खरीदें और घर पर आधा घंटा खुद के लिए वक्त निकालें. इस तरह आप बेहतर महसूस करेंगी और शरीर में हैप्पी हार्मोन्स रिलीज होने से दिनभर खुश रहेंगी. इसके अलावा अपने सोने का टाइम फिक्स करें, हेल्दी डाइट लें

महिलाएं इन तरीकों से बढ़ाएं अपना सेल्फ कॉन्फिडेंस, नेगेटिविटी को ऐसे करें दूर

कहावत है कि अगर आपको खुद पर भरोसा है तो समझिए आपने आधा युद्ध पहले ही जीत लिया है. जी हां, इस बात में कोई शक नहीं है कि अगर आप अपने अंदर की ताकत को पहचानती हैं और हर हालात में खुद पर भरोसा रखती हैं तो आपकी ये ताकत हर काम को आसान बना देने का सबसे बड़ा हथियार साबित हो सकता है. ये आत्मविश्वास ही है कि आप हर वक्त सीखने के लिए तैयार रहती हैं और गलतियों से डरने की बजाय, सीख लेना पसंद करती हैं. ऐसे में अगर आप महसूस कर रही हैं कि आपके अंदर का आत्मविश्वास कहीं गायब हो गया है और आप खुद के प्रति सकारात्मक महसूस नहीं कर पाती हैं तो हम आपकी मदद कर सकते हैं.

महिलाएं इस तरह बढ़ाएं अपना आत्मविश्वास

गलतियों से सीख लें- इंसान होने के नाते गलतियां करना आपका अधिकार है. हर इंसान गलतियों से ही सीखता है. ऐसे में अगर आप गलतियों से डरती हैं तो इस डर को अपने बाहर निकाल फेंकिए. क्योंकि आप इंसान हैं, भगवान नहीं.

नकारात्मक विचारों को रोकें- अगर आप किसी बात को लेकर परेशान हैं या कुछ नकारात्मक बातें आपको परेशान कर रही हैं तो खुद को ऐसा करने से तुरंत रोकें. यह सोचें कि आपकी सोच ही आपको और आपके आत्मविश्वास को बढ़ाती या कम करती है. खुद को सकारात्मक सोच के लिए हमेशा मोटिवेट करें.

ना कहने से डर कैसा- कई महिलाओं को ना करने में दिक्कत होती है. ऐसे में वे ऐसे काम भी करने लगती हैं जिसे वे बिलकुल करना पसंद नहीं करतीं. आपको बता दें कि ना कहने का मतलब किसी का अपमान करना नहीं होता, और ना ही इंप्रेशन बनाने के लिए ना कहना जरूरी होता है.

कभी कभी 'स्टॉप' कहना जरूरी- अगर कोई आपके सामने लगातार आपको यह बोल रहा है कि आप कितनी बुरी दिखती हैं, या आपको परफॉर्मेंस बहुत ही खराब है या तुम कुछ नहीं कर सकती आदि, तो उन्हें स्टॉप करना सीखें. अगर बोलने में असुविधा है तो आप ऐसी बातों पर हंस दें और ऐसी बातों को सकारात्मक रूप में लेते हुए खुद को बेहतर बनाने का बहाना बनाएं.

खुद को स्वीकारें- आप जैसी हैं अच्छी हैं. इस बात को खुद से बोलें. आप मोटी हैं, पतली हैं या दिखने में बेहद खूबसूरत नहीं हैं. ये बातें आपकी पूर्णता को नहीं बताते. आप जो हैं वो अपने काम से हैं, अपने बातचीत के तरीके से हैं, अपने व्यवहार और अपने आत्मविश्वास से हैं. खुद को खुद की तरह स्वीकारें और सकारात्मक रहें.

मार्च महीने में आप आराम से फैमिली के साथ घूमने का प्लान बना सकते हैं. दरअसल होली 25 मार्च सोमवार को पड़ रही है और इससे पहले शनिवार और रविवार है, यानी तीन दिन की छुट्टी रहेगी. फिलहाल इस दौरान भले ही आप बिजी रहें, लेकिन इसके बाद 29 मार्च दिन शुक्रवार को गुड फ्राइडे पड़ रहा है और इसके बाद शनिवार-रविवार है. इस तरह से आप 1 दिन की एक्स्ट्रा छुट्टी लेकर से 4 दिनों की ट्रिप प्लान कर सकते हैं. इस दौरान 'मिनी स्विट्जरलैंड' यानी औली घूमना आपके लिए बेस्ट एक्सपीरियंस हो सकता है. स्विटजरलैंड घूमने की चाहत लेकिन यहां जाने के लिए पैसों के साथ काफी समय भी चाहिए, इसलिए आप मार्च की छुट्टियों में उत्तराखंड के औली घूमकर आ सकते हैं. भारत का 'मिनी स्विट्जरलैंड' उत्तराखंड के चमोली जिले में औली नाम की जगह है, जहां बर्फ से ढके पहाड़ और स्नोफॉल आपको स्विट्जरलैंड वाला फील देगा. शायद यही वजह है के औली हिल स्टेशन को 'मिनी स्विट्जरलैंड' और 'उत्तराखंड का स्वर्ग' भी कहते हैं. वैसे तो यहां पर फैमिली, लव पार्टनर और दोस्तों को साथ कभी भी ट्रिप प्लान कर सकते हैं. नवंबर से मार्च का समय यहां घूमने के लिए सही माना जाता है. एडवेंचर लवर्स के लिए बेस्ट जगह है औली की वादियों की खूबसूरती आपके दिल को खुश कर देगी। यह जगह उनके लिए भी बेस्ट है जो बर्फ में स्कीइंग करना चाहते हैं. यह जगह इंडिया की सबसे फेमस स्कीइंग डेस्टिनेशन में से एक है. यहां स्कीइंग रेस के लिए मानकों को पूरी करती हुई एक अधिकृत जगह है. इसके अलावा आप औली में रोपवे से ऊंचे पहाड़ों और हरियाली का नजारा देख सकते हैं. औली जोशीमठ का रोपवे एशिया में दूसरे नंबर पर माना जाता है.

दिल्ली से कितनी दूरी पर है औली हिल स्टेशन और दिल्ली की दूरी की बात करें तो करीब 504 किलोमीटर का सफर है। अगर आप ट्रेन, बस या निजी वाहन से जाते हैं तो करीब 9 से 10 घंटे में यहां पहुंचेंगे, जबकि वायु मार्ग की बात करें तो 312 किलोमीटर की दूरी है. ट्रेन से जाने के लिए आपको देहरादून स्टेशन उतरना होगा और यहां से बस या कैब से औली पहुंच सकते हैं।

ईडी के सभी समन को अरविंद केजरीवाल ने दी चुनौती

मुख्यमंत्री ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा

आम आदमी पार्टी (AAP) के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे हैं। उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा आबकारी नीति घोटाला (Delhi Excise Policy Scam) मामले में भेजे गए सभी समन को कोर्ट में चुनौती दी है। दिल्ली हाईकोर्ट की डिविजन बेंच कल यानी 20 मार्च को मामले की सुनवाई करेगी। ED अबतक अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति मामले में नौ समन भज चुकी है।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (AAP) के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे हैं। उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा आबकारी नीति घोटाला (Delhi Excise Policy Scam) मामले में भेजे गए सभी समन को कोर्ट में चुनौती दी है। दिल्ली हाईकोर्ट की डिविजन बेंच कल यानी 20 मार्च को मामले की सुनवाई करेगी।

ईडी अब तक भेज चुकी है 9 समन

ईडी ने रविवार को ही दिल्ली शराब घोटाला मामले में नौंवा समन जारी किया। सीएम को पूछताछ के लिए 21 मार्च को बुलाया है। ईडी ने केजरीवाल को पहला समन गत दो नवंबर 2023, 21 नवंबर, तीन जनवरी, 18 जनवरी, दो फरवरी, 19 फरवरी, 26 फरवरी और चार मार्च को भेजा था। वहीं ईडी के समन उल्लंघन मामले में केजरीवाल को कोर्ट से जमानत मिली हुई है।

दिल्ली जल बोर्ड मामले में भी ईडी ने भेजा समन

ईडी ने रविवार को सीएम केजरीवाल को दिल्ली जल बोर्ड मामले में प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की धारा 50 के तहत समन जारी किया था। एजेंसी ने उन्हें सोमवार को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन सीएम केजरीवाल ने समन को अवैध बताया था और पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए थे।

ईडी ने जल बोर्ड मामले में किया ये दावा

ईडी ने दावा किया है कि डीजेबी द्वारा अनुबंध में भ्रष्टाचार के माध्यम से प्राप्त धन को कथित तौर पर दिल्ली में सत्तारूढ़ पार्टी आप को चुनावी फंड के रूप में भेजा गया था। फरवरी में ईडी ने इस जांच के तहत केजरीवाल के निजी सहायक, आप के एक राज्यसभा सदस्य, एक पूर्व डीजेबी सदस्य, एक चार्टर्ड अकाउंटेंट और अन्य के आवासों पर छापेमारी की थी।

सीबीआई की FIR पर आधार मामला

जानकारों का कहना है कि ईडी का मामला सीबीआई की एफआईआर पर आधारित है, जिसमें डीजेबी अनुबंध में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड कंपनी से 38 करोड़ रुपये की राशि के लिए लिए जाने की बात कही गई है। आरोप है कि कंपनी तकनीकी पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती है फिर भी इसे अनियमितता कर काम दिया गया।

'निर्दोष हूं' साबित करने में सत्येंद्र जैन पूरी तरह फेल, AAP नेता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने क्या-क्या कहा?

अंतरिम जमानत पर बाहर चल रहे सत्येंद्र जैन 9 महीने बाद तिहाड़ जेल पहुंच गए। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने सत्येंद्र जैन की नियमित जमानत याचिका को खारिज करते हुए तुरंत सरेंडर करने को कहा था। साथ ही शीर्ष अदालत ने कहा कि अपीलकर्ता हमें संतुष्ट करने में बुरी तरह फेल रहे हैं जिससे माना जाए कि वे कथित अपराधों के लिए दोषी नहीं हैं।

नई दिल्ली। आप नेता और दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन 9 महीने बाद सोमवार को एक फिर से तिहाड़ जेल पहुंच गए। वह मेडिकल आधार पर अभी तक अंतरिम जमानत पर बाहर थे। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने सत्येंद्र जैन की नियमित जमानत याचिका को खारिज करते हुए तुरंत सरेंडर करने को कहा था।

पहली नजर में दोषी- SC

सुप्रीम कोर्ट ने साथ में यह भी कहा कि ईडी द्वारा इकट्ठा किए गए पर्याप्त सबूत दर्शाते हैं कि दो सहयोगी के साथ वह कथित अपराध के लिए पहली नजर में दोषी हैं। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मिथल की पीठ ने अंतरिम जमानत पर बाहर चल रहे सत्येंद्र जैन को तुरंत सरेंडर करने को कहा था।

पीठ ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि आवेदक (सत्येन्द्र जैन) ने कैश के बदले आवास प्रविष्टियों के विचार की कल्पना की थी और कोलकाता स्थित एंट्री ऑपरेटरों के माध्यम से चार कंपनियों के बैंक खाते में कुल 4.81 करोड़ रुपये प्राप्त किए। आगे कहा कि आप नेता के सहयोगी अंकुश जैन और वैभव जैन ने इनकम डिस्कोजर स्कीम (आईडीएस) के तहत झूठी घोषणाएं करके उनकी सहायता की थी।

संतुष्ट करने में पूरी तरह फेल

शीर्ष अदालत ने कहा कि मामले के तथ्यों और परिस्थितियों की समग्रता को ध्यान में रखते हुए हमारी राय है कि अपीलकर्ता हमें संतुष्ट करने में बुरी तरह फेल रहे हैं, जिससे माना जाए कि वे कथित अपराधों के लिए दोषी नहीं हैं। पीठ ने कहा कि ईडी द्वारा यह दिखाने के लिए पर्याप्त सामग्री एकत्र की गई है कि वे कथित अपराधों के लिए प्रथम दृष्टया दोषी हैं।

बिना समन के गिरफ्तार किया... संजय सिंह ने दिल्ली शराब घोटाले में सुप्रीम कोर्ट में क्या रखी दलीलें?

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में दलीलें रखीं। संजय सिंह ने बताया कि ईडी ने बिना किसी समन के उन्हें गिरफ्तार किया था। उनके वकील ने कहा कि ईडी के अधिकारी सीधे उनके घर आए और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट संजय सिंह की रिमांड और गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर उनकी दलीलें सुन रही थी।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि गिरफ्तारी से पहले उन्हें कोई समन नहीं जारी किया गया था। ईडी के गवाह दिनेश अरोड़ा के बयान के बाद गिरफ्तार कर किया गया था। बता दें कि जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ संजय सिंह की रिमांड और गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर उनकी दलीलें सुन रही थी।

दिनेश अरोड़ा के बयान के बाद हुई गिरफ्तारी

संजय सिंह के वकील ने बताया कि जुलाई 2023 में ईडी के गवाह दिनेश अरोड़ा दिए बयान के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था। आप सांसद के वकील अभिषेक सिंघवी ने कोर्ट में कहा कि 19 जुलाई 2023 को पहली बार दिनेश अरोड़ा ने मेरा नाम लिया था। इस तारीख से पहले दिनेश अरोड़ा द्वारा नौ बयान दिए गए थे, जिसमें उसने मेरा नाम कभी भी नहीं लिया।

वरिष्ठ वकील ने कहा कि संजय सिंह को कोई समन जारी नहीं किया गया और ईडी के अधिकारी सीधे उनके घर आए और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। आप सांसद ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को भी चुनौती दी थी, जिसने उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया था।

पिछले साल हुए गिरफ्तार हुए थे संजय सिंह

संजय सिंह को इस मामले में पिछले साल 4 अक्टूबर को ईडी ने गिरफ्तार किया था। हाई कोर्ट के समक्ष संजय सिंह ने इस आधार पर जमानत मांगी थी कि वह तीन महीने से अधिक समय से हिरासत में हैं और इस अपराध में उनकी कोई भूमिका नहीं बताई गई है।

जांच एजेंसी ने उच्च न्यायालय में जमानत याचिका का विरोध किया था। एजेंसी ने दावा किया था कि संजय सिंह 2021-22 की नीति अवधि से संबंधित दिल्ली शराब घोटाले से मिली अपराध की आय को प्राप्त करने, रखने, छिपाने, फैलाने और उपयोग करने में शामिल थे।

जेल में ही मनेगी मनीष सिसोदिया और संजय सिंह की होली, अदालत ने बढ़ाई न्यायिक हिरासत

दिल्ली शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सदस्य संजय सिंह की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले की सुनवाई करते हुए सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 7 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दी है जिससे सिसोदिया की ये होली भी जेल में मनेगी।

नई दिल्ली। आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपित दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह की होली इस बार जेल में ही मनेगी। राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष अदालत ने मनीष सिसोदिया और संजय सिंह की न्यायिक हिरासत छह अप्रैल तक बढ़ा दी है।

6 अप्रैल को होगी अगली सुनवाई : न्यायिक हिरासत की समयावधि समाप्त होने पर ईडी ने सिसोदिया को विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल के समक्ष पेश किया था। मामले में अगली सुनवाई छह अप्रैल को होगी। पिछली सुनवाई में ईडी ने कहा था कि आरोपित कार्यवाही में देरी करने के लिए हथकंडे अपना रहे हैं।

ईडी ने अपने आवेदन में यह भी आरोप लगाया था कि आरोपितों को उपलब्ध कराई गई जानकारी व सीसीटीवी फुटेज का आप नेताओं द्वारा मीडिया में जांच एजेंसी के खिलाफ निराधार अपमानजनक बयानों के माध्यम से दुरुपयोग किया जा रहा है।

सिसोदिया को CBI ने फरवरी 2023 में किया था गिरफ्तार : मामले में सीबीआई ने फरवरी 2023 में सिसोदिया को गिरफ्तार किया और नौ मार्च को ईडी ने उन्हें तिहाड़ जेल से हिरासत में ले लिया था। गिरफ्तारी के बाद सिसोदिया ने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

दिल्ली-NCR वाले गर्मी झेलने को रहें तैयार, इस सप्ताह तक बढ़ जाएगा इतने डिग्री तापमान

परिवहन विशेष न्यूज

लगातार बढ़ रहे तापमान के बीच दिल्ली में अब गर्मी का एहसास तेजी से बढ़ेगा। सुबह-शाम की ठंड भी लगभग खत्म हो गई है। साफ आसमान और तेज धूप के बीच सप्ताहांत में अधिकतम तापमान 33 डिग्री जबकि न्यूनतम 15 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाने के आसार हैं। उधर सोमवार को भी दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री नीचे 30.6 डिग्री दर्ज किया गया।

नई दिल्ली। लगातार बढ़ रहे तापमान के बीच दिल्ली में अब गर्मी का एहसास तेजी से बढ़ेगा। सुबह-शाम की ठंड भी लगभग खत्म हो गई है। साफ आसमान और तेज धूप के बीच सप्ताहांत में अधिकतम तापमान 33 डिग्री जबकि न्यूनतम 15 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाने के आसार हैं।

उधर सोमवार को भी दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री नीचे 30.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम 12.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 93 से 25 प्रतिशत रहा। पीतमपुरा दिल्ली का सबसे गर्म इलाका रहा, जहां अधिकतम तापमान 31.3 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 16.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि मंगलवार को भी आसमान साफ रहेगा। दिन भर धूप खिली रहेगी। अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम 13 डिग्री रह सकता है। दूसरी तरफ दिल्ली की हवा फिलहाल साफ यानी "मध्यम" श्रेणी में ही चल रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक सोमवार को दिल्ली का एक्यूआइ 199 दर्ज किया गया।

बूथ स्तर के वॉट्सएप ग्रुप बनेंगे हथियार, भाजपा उतारेगी 10 हजार साइबर योद्धा

लोकसभा चुनाव में अपने पक्ष में वातावरण तैयार करने के लिए भाजपा बूथ प्रबंधन व चुनाव प्रचार के साथ ही इंटरनेट मीडिया पर अपनी सक्रियता बढ़ा रही है। आने वाले दिनों में भाजपा ने इंटरनेट मीडिया पर और आक्रामक तरीके से अभियान चलाने का निर्णय लिया है। दिल्ली में भाजपा की प्रदेश के साथ ही जिला व मंडल स्तर पर इंटरनेट मीडिया की टीम है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में अपने पक्ष में वातावरण तैयार करने के लिए भाजपा बूथ प्रबंधन व चुनाव प्रचार के साथ ही इंटरनेट मीडिया पर अपनी सक्रियता बढ़ा रही है।

आने वाले दिनों में भाजपा ने इंटरनेट मीडिया पर और आक्रामक तरीके से अभियान चलाने का निर्णय लिया है। नरेंद्र मोदी सरकार की नीतियों के प्रचार और विरोधी दलों को घेरने के लिए पूरी दिल्ली में लगभग 10 हजार साइबर योद्धा को मैदान में उतारने की तैयारी है।

सभी सोशल मीडिया टीम को सक्रियता बढ़ाने को कहा दिल्ली में भाजपा की प्रदेश के साथ ही जिला व मंडल स्तर पर इंटरनेट मीडिया की टीम है। इन सभी को अपनी सक्रियता बढ़ाने को कहा गया है।

पार्टी दिल में मोदी, दिल्ली में मोदी नाम से इंटरनेट मीडिया पर अभियान शुरू कर रही है। मंगलवार को नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से इसकी शुरुआत होगी।

चरणबद्ध तरीके से अगले एक पखवाड़े में सभी संसदीय क्षेत्र में इसे शुरू करने का लक्ष्य है। प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में बैठक होगी, जिसमें वहां के दोनों संगठनात्मक जिलों व मंडलों के इंटरनेट मीडिया टीम के कार्यकर्ता शामिल होंगे। उन्हें इस अभियान के बारे में पूरी जानकारी दी जाएगी।

बूथ स्तरीय वाट्सएप ग्रुप बनेगा हथियार

पिछले दिनों बूथ स्तर पर वाट्सएप ग्रुप बनाए गए हैं, जिसमें पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ ही कम से कम 30 प्रतिशत सदस्य आम नागरिक हैं। पार्टी से संबंधित संदेश कार्यकर्ताओं व आम नागरिक तक पहुंचाया जाएगा। इससे भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा तैयार वीडियो प्रसारित करने में भी मदद मिलेगी।

जनता के बीच पहुंचेंगे साइबर योद्धा

दिल्ली भाजपा इंटरनेट मीडिया विभाग के संयोजक रोहित उपाध्याय का कहना है कि भाजपा कार्यकर्ता सिर्फ मोबाइल और लैपटाप पर विरोधियों को जवाब नहीं देंगे। वह जनता के बीच जाकर उनसे नरेंद्र मोदी सरकार के काम पर चर्चा कर उनका वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया के विभिन्न मंचों पर पोस्ट करेंगे।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार की नाकामी व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के झूठे वादों पर जनता की प्रतिक्रिया के वीडियो पोस्ट किए जाएंगे।

भाजपा सांसदों की कलई खोलने वाली पेश करेंगे चार्जशीट, BJP के सातों प्रत्याशियों के एजेंडे पर कांग्रेस ने किया वार

परिवहन विशेष न्यूज

कांग्रेस के प्रदेश अरविंदर सिंह लवली ने मंगलवार को प्रेसवार्ता करते हुए कहा कि कल भाजपा के सातों प्रत्याशियों ने चुनाव जीतने के बाद आगामी 100 दिन का एजेंडा साझा किया। बड़े ही दुर्भाग्य की बात है कि जिस पार्टी के सांसद 10 वर्ष से लोकसभा में दिल्ली का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। लेकिन उन 10 सालों का रिपोर्ट कार्ड जारी करने के बजाए आगे की बात कर रहे हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस के प्रदेश अरविंदर सिंह लवली ने मंगलवार को प्रेसवार्ता करते हुए कहा कि कल भाजपा के सातों प्रत्याशियों ने चुनाव जीतने के बाद आगामी 100 दिन का एजेंडा साझा किया। बड़े ही दुर्भाग्य की बात है कि जिस पार्टी के सांसद 10 वर्ष से लोकसभा में दिल्ली का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। लेकिन उन 10 सालों का रिपोर्ट कार्ड जारी करने के बजाए आगे की बात कर रहे हैं।

जल्द ही कांग्रेस सभी भाजपा सांसदों की कलई खोलने वाली एक चार्जशीट जनता के बीच में लाएगी। भाजपा ने वादा किया है कि नई दिल्ली की तरह दिल्ली के अन्य हिस्सों में भी केंद्रीय अस्पताल खोले जाएंगे। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि 10 साल बाद भी क्या सिर्फ प्रयास करेंगे? यमुना पर तो मैं क्या ही बोलूं?

'दशकों से चले आ रहे वही वादे'

दक्षिणी दिल्ली से प्रत्याशी रामवीर सिंह बिधूड़ी तो जो वादे कर रहे हैं, वो दशकों से चले आ रहे हैं। उत्तर पूर्वी दिल्ली से सांसद और प्रत्याशी मनोज तिवारी अभी तक भी एक सेंट्रल स्कूल चालू नहीं करवा पाए। आचार संहिता लगने से दो घंटे पहले इन्होंने एक आधे अधूरे स्कूल का उदघाटन किया, हालांकि स्कूल कब शुरू होगा, पता नहीं।

प्रदूषण रोकने और मेट्रो विस्तार की बातें हवा हवाई

भाजपा वायु प्रदूषण से लड़ने और नए उपकरण लगाने की बात कर रही है। जबकि पहले लगे हुए उपकरण स्मारक बन गए हैं। सातों प्रत्याशी अपने अपने क्षेत्र में मेट्रो के विस्तार की बात कर रहे हैं, लेकिन पुराने फेज भी अभी तक पूरे नहीं हो पाए हैं। भाजपा सांसदों ने 2014 में गांव गोद लेने की घोषणा भी की थी, लेकिन 56 की जगह 12 गांव गोद लिए, उन में भी कुछ खास काम नहीं हुआ। भाजपा सांसदों ने दिल्ली वालों के साथ जो किया है, वो आपराधिक कृत्य है।

पूर्व मंत्री हारून यूसुफ ने कहा क भाजपा 10 साल से दिन में तारे दिखा रही है। हर बार प्रत्याशी बदल देती है। हर चुनाव में नए वादे, नई घोषणाएं, नए लोग। मैं कहना चाहूंगा कि राजधानी का मजाक न बनाएं। आने वाले वक्त में कांग्रेस भाजपा के इन सभी कारनामों को उजागर करती रहेगी। चुनाव आयोग को भी अपनी आंखें खोले और जगह जगह लगे सेल्फी पॉइंट हटाए।

मुश्किल में कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम! चीनी वीजा केस में दिल्ली की कोर्ट ने भेजा समन

कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने चीनी वीजा घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कार्ति चिदंबरम और अन्य आरोपितों को समन भेजा है। समन भेजते हुए कोर्ट ने 5 अप्रैल को पेश होने को कहा है। आरोपितों में पदम दुगर विकास मखरिया मंसूर सिद्दीकी दुगर हाउसिंग लिमिटेड एडवांटेज स्ट्रैटेजिक कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड और तलवंडी साबो पावर लिमिटेड भी शामिल हैं।

नई दिल्ली। चीनी वीजा घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अदालत ने आरोपित कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम और अन्य को तलब किया। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने ईडी द्वारा दायर आरोप पत्र पर संज्ञान लेते हुए कार्ति चिदंबरम, उनके पूर्व चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) एस भास्कर रमन और कुछ कंपनियों के प्रतिनिधियों सहित छह अन्य को पांच अप्रैल को अदालत में पेश होने का आदेश जारी किया।

आरोपितों में पदम दुगर, विकास मखरिया, मंसूर सिद्दीकी, दुगर हाउसिंग लिमिटेड, एडवांटेज स्ट्रैटेजिक कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड और तलवंडी साबो पावर लिमिटेड भी शामिल हैं। ईडी ने 2011 में 263 चीनी नागरिकों को वीजा जारी करने से संबंधित घोटाले में आरोपितों के खिलाफ मनी लांड्रिंग का मामला दर्ज किया था, जब उनके पिता पी चिदंबरम केंद्रीय गृह मंत्री थे। ईडी ने कहा कि मामले में लूटी गई धनराशि की वास्तविक मात्रा अभी तक स्थापित नहीं हुई है। सीबीआई मामले में उल्लिखित 50 लाख रुपये की रिश्वत के भुगतान को वर्तमान मामले का आधार नहीं माना जा सकता है। ईडी ने इसी मामले में सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रविधानों के तहत मामला दर्ज किया था।

6वीं की छात्रा से 3 महीने तक दुष्कर्म, अचानक पेट दर्द के बाद पता चली ऐसी बात; हक्का-बक्का रह गया पिता

गाजियाबाद के मुरादनगर में कक्षा 6वीं की एक छात्रा से दुष्कर्म करने की घटना सामने आई है। आरोपित धमकी देकर तीन महीने तक छात्रा के साथ दुष्कर्म करता है। कुछ दिन पहले छात्रा की तबियत खराब हो गई और पेट में दर्द होने लगा। कई चिकित्सकों को दिखाने के बाद आराम नहीं मिला। फिर रविवार को अचानक छात्रा बेहोश होकर गिर पड़ी...

मुरादनगर। एक कॉलोनी में 13 वर्षीय छात्रा के साथ पड़ोसी ने दुष्कर्म किया। तबीयत खराब होने पर जब स्वजन ने छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया जो उसके गर्भवती होने का पता चला। पड़ोसी आरोपित पिछले तीन महीने से हत्या की धमकी देकर दुष्कर्म कर रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपित को पकड़ लिया है। छात्रा का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

अचानक छात्रा के पेट में दर्द

एक कॉलोनी में रहने वाले व्यक्ति कामगार हैं। उनकी 13 वर्षीय बेटी एक स्कूल में कक्षा छह की छात्रा हैं। पत्नी से तीन महीने पहले विवाद हुआ था। तभी से वह मायके रहने लगी। अब व्यक्ति व उनकी बेटी अकेले रहते हैं। पिछले कुछ दिनों से छात्रा की तबीयत खराब थी। उनके पेट में दर्द हो रहा था। आसपास के चिकित्सक को दिखाया, लेकिन आराम नहीं लगा।

जांच में गर्भवती निकली छात्रा

रविवार को अचानक वह बेहोश होकर गिर पड़ी। पिता घबराकर अस्पताल लेकर पहुंचे तो वहां चिकित्सकों ने कुछ जांच कराई। इसमें पता चला कि छात्रा तो गर्भवती है। यह सुन पिता हक्के-बक्के रह गए। उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्होंने इस बारे में जब छात्रा से पूछा तो वह सहम गई। सख्ती से पूछने पर उसने रोते हुए बताया कि पड़ोसी आरोपित ने तीन महीने पहले घर में आकर दुष्कर्म किया था।

आरोपित ने धमकी दी यदि किसी से इस बारे में बताया तो पूरे परिवार को जान से मार देगा। इसके बाद जब भी पिता ड्यूटी जाते तो आरोपित घर आता। यहां उनके साथ दुष्कर्म करता। मना करने पर उन्हें कई बार पीटा भी। वह आरोपित की धमकी से घबराकर चुप रही। छात्रा की बात से गुस्सा पिता तुरंत आरोपित के घर पहुंचे और उससे गाली-गलौज की।

दबिश के बाद आरोपित गिरफ्तार

इस पर आरोपित ने उनसे अभद्रता की। हत्या की धमकी देकर भगा दिया। परेशान आकर थाने पहुंचे और पुलिस को सारी बताई। पुलिस ने भी मामले की गंभीरता को भांपते हुए तत्काल केस दर्ज कर लिया। रात में ही दबिश देकर आरोपित की गिरफ्तारी भी की। एसीपी मसूरी नरेश कुमार ने बताया कि आरोपित आदिल को गिरफ्तार कर लिया गया है। छात्रा का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। जल्द मजिस्ट्रेट के सामने भी बयान दर्ज करा दिये जाएंगे।

हिंडन एयरपोर्ट से इस शहर के लिए टिकट की बुकिंग शुरू, मात्र 1499 रुपये में करें हवाई यात्रा

Hindon Airport से जालंधर (अदमपुर) के लिए सोमवार देर शाम को टिकट की बुकिंग शुरू हो गई है। 31 मार्च से हिंडन एयरपोर्ट से पहली फ्लाइट शुरू हो जाएगी। ऑनलाइन टिकट की बुकिंग शुरू हो गई है। यूपीआइ पर 31 मार्च से आप आमदपुर के लिए 1499 रुपये में टिकट बुक कर सकते हैं। हिंडन एयरपोर्ट से यह अभी तक का फ्लाइट का सबसे सस्ता टिकट है।

परिवहन विशेष न्यूज

हिंडन एयरपोर्ट (Hindon Airport) से जालंधर के आदमपुर के लिए सोमवार देर शाम को टिकट की बुकिंग शुरू हो गई है। आप स्टार एयर एयरलाइंस की वेबसाइट या यूपीआइ से टिकट बुक कर सकते हैं। 31 मार्च को आदमपुर के लिए पहली फ्लाइट शुरू होगी। स्टार एयर एयरलाइंस कंपनी इस फ्लाइट को शुरू कर रही है।

सबसे पहले सुबह 7:15 बजे से बेंगलुरु (कर्नाटक) से नांदेड़ (महाराष्ट्र) के लिए फ्लाइट उड़ेगी, जो सुबह 8:35 पर नांदेड़ पहुंचाएगी। इसके बाद नांदेड़ से हिंडन के बीच सुबह नौ बजे फ्लाइट उड़ेगी, जो 11 बजे सुबह हिंडन पहुंचेगी।

हिंडन एयरपोर्ट से आदमपुर के लिए 11:25 बजे सुबह फ्लाइट चलेगी, जो 12:25 बजे आदमपुर व आदमपुर से हिंडन के लिए 12:50 पर फ्लाइट शुरू होगी, जो दोपहर 1:50 पर वापस हिंडन एयरपोर्ट पहुंचेगी। दोपहर 2:15 पर हिंडन से नांदेड़, फिर नांदेड़ से बेंगलुरु के लिए 16:45 शाम को फ्लाइट शुरू होगी। यह शाम को 6:05 पर बेंगलुरु पहुंचाएगी।

अभी तक का फ्लाइट का सबसे सस्ता टिकट

ऑनलाइन टिकट की बुकिंग शुरू हो गई है। यूपीआइ पर 31 मार्च से आप आदमपुर के लिए 1499 रुपये में टिकट बुक कर सकते हैं। हिंडन एयरपोर्ट से यह अभी तक का फ्लाइट का सबसे सस्ता टिकट है। इसमें सरकार द्वारा सब्सिडी भी दी जा रही है। आदमपुर के लिए फ्लाइट शुरू होने की घोषणा पहली कर दी गई थी। कई बार इस फ्लाइट शुरू होने की तिथि बदली जा चुकी है, लेकिन इस बार टिकट की बुकिंग शुरू होने से पुष्टि हो गई है कि 31 मार्च से हिंडन एयरपोर्ट से फ्लाइट शुरू हो जाएगी।

किशनगढ़ लिए जारी है उड़ान

क्षेत्रीय संपर्क योजना उड़ान के तहत हिंडन एयरपोर्ट से किशनगढ़ का टिकट दो हजार रुपये का है। हिंडन एयरपोर्ट से 16 फरवरी को किशनगढ़ के लिए स्टार एयर ने फ्लाइट शुरू की थी। पहले दिन 47 यात्रियों को लेकर 76 सीटर विमान किशनगढ़ के लिए उड़ा था। इस विमान में 12 सीट बिजनेस क्लास के लिए सुरक्षित रखी गई हैं।

इन शहरों के लिए उड़ान सेवा होगी शुरू

डायरेक्टर सरस्वती वेंकटेश ने बताया की एयर इंडिया एक्सप्रेस एयरलाइंस कंपनी की ओर से हैदराबाद, कोलकाता व मोपा (गोवा) के लिए फ्लाइट शुरू होगी।

डीपफेक वीडियो के शिकार हुए देश के ये दिग्गज डॉक्टर, दवा के नाम फैलाया जा रहा झूठा दावा

देश के दिग्गज डॉक्टरों में शुमार मेदांता अस्पताल के सीएमडी डॉ. नरेश त्रेहन का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह मोटापा करने की दवा बनाने का दावा कर रहे हैं। अब इस मामले में उनकी टीम ने एक शिकायत दर्ज कराई है कि यह उनका डीपफेक वीडियो है और इस वीडियो से लोगों में गलत संदेश जा सकता है।

गुरुग्राम। मेदांता अस्पताल के सीएमडी डॉ. नरेश त्रेहन का डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में डॉ. त्रेहन 10 किलो तक मोटापा कम करने का दावा करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

अस्पताल की मार्केटिंग टीम की शिकायत पर साइबर ईस्ट थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मार्केटिंग टीम के हरीश अश्विनी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि डॉ. त्रेहन का फर्जी वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है।

ऐसी दवा बनाने का दावा जिससे किसी का भी वजन होगा कम

उसमें वह दावा करते हुए दिखाई दे रहे हैं कि उनकी तरफ से ऐसी दवा बनाई गई है, जिससे कोई भी अपना वजन कम कर सकता है।

दो हफ्ते के अंदर 10 किलो तक वजन कम किया जा सकता है। इसके साथ ही 20 हजार भारतीयों पर इसका प्रयोग भी किया जा चुका है। वीडियो में दवा के बारे में अधिक जानकारी के लिए लिंक भी दिया गया है।

शिकायत में कहा गया कि फर्जी वीडियो से आम जनता में भ्रम पैदा हो सकता है। साइबर पुलिस मामला दर्ज कर वीडियो डालने वाले आरोपित का आइपी एड्रेस पता कर रही है।

बिहार से मदरसे के लिए चंदा मांगने आए व्यक्ति को पीटा, तनाव के बाद मौके पर पहुंची पुलिस

बिहार के किशनगंज से आए अब्दुल अजीज नोएडा में मदरसे के लिए चंदा मांग रहे थे। दोपहर करीब तीन बजे वह मस्जिद से कहीं जा रहे थे। तभी उन्हें गांव के ही उन्मादी प्रवृत्ति के नीरज भाटी ने रोक लिया। आरोप है कि नीरज भाटी ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध किया तो आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए अब्दुल अजीज की दाढ़ी पकड़कर पीटना शुरू कर दिया।

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-39 क्षेत्र के गांव सलारपुर में मदरसों के लिए चंदा मांगने आए एक व्यक्ति को गांव के ही एक युवक ने जमकर पीटा। आरोपित नशे की हालत में बताया जा रहा है। मामला दो समुदाय के बीच होने के चलते गांव में तनाव फैल गया। बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए।

आरोपित को हिरासत में लिया

सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लेकर पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया। मूलरूप से बिहार के जिला किशनगंज के अब्दुल अजीज कुछ दिन पहले नोएडा आए थे। वह बिहार में खुले मदरसों के संचालन के लिए चंदा मांग रहे हैं। मंगलवार दोपहर वह गांव सलारपुर स्थित मस्जिद पहुंचे।

नशे में था नीरज भाटी

मदरसे के लिए चंदा मांग रहे थे। दोपहर करीब तीन बजे वह मस्जिद से कहीं जा रहे थे। तभी उन्हें गांव के ही उन्मादी प्रवृत्ति के नीरज भाटी ने रोक लिया। बताया जा रहा है कि नीरज भाटी नशे में था। स्थानीय लोगों का कहना है कि नीरज भाटी ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध किया तो आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए अब्दुल अजीज की दाढ़ी पकड़कर पीटना शुरू कर दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस

इस दौरान अब्दुल अजीज की टोपी सड़क पर गिर गई। स्थानीय लोगों ने किसी तरह पीड़ित को आरोपित के चंगुल से बचाया। हालांकि पुलिस ने दाढ़ी पकड़ने की बात से इनकार किया है। मामला दो समुदाय का होने के चलते सूचना गांव में आग की तरफ फैल गई। देखते ही देखते सैकड़ों की संख्या में लोग एकत्र हो गए। सूचना पर डीसीपी विद्या सागर मिश्र, एडीसीपी मनीष कुमार मिश्र समेत भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया।

पुलिस ने घायल अब्दुल अजीज को मेडिकल के लिए भेज दिया। साथ ही शिकायत लेकर आरोपित को हिरासत में लेकर मुकदमा दर्ज कर लिया है। डीसीपी विद्या सागर मिश्र का कहना है कि आरोपित ने अब्दुल अजीज के साथ मारपीट व आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिसके क्रम में आरोपित को हिरासत में ले लिया है। अन्य आरोपों के संबंध में जांच की जा रही है।

विपक्ष के नकारात्मक प्रचार पर क्या मोदी के सकारात्मक प्रचार को मिलेगी जीत?

ललित गर्ग

इस बार का आम चुनाव रोमांचक होने के साथ देश में बड़े परिवर्तन का कारण बनेगा। इस चुनाव में सभी पार्टियां सरकार बनाने का दावा पेश कर रही हैं और अपने को ही विकल्प बता रही हैं तथा मतदाता सोच रहा है कि देश में नेतृत्व का निर्णय मेरे मत से ही होगा।

लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है और चुनाव का माहौल गरमा रहा है। चुनावों की तारीखें घोषित किए जाने के साथ ही जैसी कि उम्मीद थी, सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजी और तेज हो गई। कौरव रूपी विपक्षी दल एवं पाण्डव रूपी भाजपा के बीच इस चुनाव में असली जंग सत्य और असत्य के बीच है। सत्ता पक्ष और विपक्ष की यह नोक-झोंक ही तो लोकतंत्र की खूबसूरती है, यह जितनी शालीन एवं उग्र होगी, लोकतंत्र का यह महापर्व कुंभ उतना ही ऐतिहासिक एवं खास होगा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतन्त्र है और उदार बहुदलीय राजनैतिक प्रणाली का जीवन्त उदाहरण है जिसकी वजह से चुनावों का समय एवं प्रचार विविधतापूर्ण, आक्रामक व रंग-रंगीला होना ही है मगर इसमें कहीं भी कड़वापन, उच्छृंखलता और आपसी रंजिश का पुट नहीं आना चाहिए।

इस बार के चुनाव में जहां भाजपा नेतृत्व अगले 20 वर्षों का विजन पेश कर रहा है, वहीं कांग्रेस नेतृत्व इसे लोकतंत्र बचाने का आखिरी मौका करार दे रहा है। यानी इन चुनावों का फलक पांच साल के काम के आधार पर अगले पांच साल के लिए जनादेश के सामान्य ट्रेंड तक सीमित नहीं रहा। यह चुनाव असल में आजादी के अमृतकाल यानी वर्ष 2047 के लक्ष्य को सुनिश्चित करने वाला है। इस चुनाव में सर्वाधिक चर्चा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनके भावी देश-निर्माण के संकल्प की है। असल में तो इन चुनाव में भाजपा की जीत तो निश्चित मानी जा रही है, लेकिन वह अपने 400 के लक्ष्य को हासिल कर पाती है या नहीं? भाजपा इसके इर्द-गिर्द अपना अभियान चला रही हैं। जबकि विपक्ष जीत का दावा करते हुए भाजपा के इस बड़े लक्ष्य को हास्यास्पद बता रहा है, उनके प्रति अपनी नापसंदगी से परेशान है। भाजपा के पास बड़ा उद्देश्य है, जबकि विपक्ष भाजपा की काट करने के लिये भी प्रभावी मुद्दे नहीं तलाश पा रही है। भाजपा प्रचार में शामिल हैं- आर्थिक विकास, देश और विदेश में सशक्त राष्ट्रवाद, हिंदुत्व, सांस्कृतिक पुनरुत्थान, नया भारत-सशक्त भारत, औद्योगिक क्रांति, दुनिया की महाशक्ति बनना, स्थिरता, शांति। विपक्ष इन ही बड़े उद्देश्यों की आलोचना कर रहा है। मोदी इन चुनावों के महानायक है, परिवर्तनकारी व्यक्ति हैं जो स्थिरता का वादा करते हुए वोट मांग रहे हैं। अपने आलोचकों के लिए, वह एक अत्यंत ध्रुवीकरण करने वाले व्यक्ति हैं।

इस बार का आम चुनाव रोमांचक होने के साथ देश में बड़े परिवर्तन का कारण बनेगा। इस चुनाव में सभी पार्टियां सरकार बनाने का दावा पेश कर रही हैं और अपने को ही विकल्प बता रही हैं तथा मतदाता सोच रहा है कि देश में नेतृत्व का निर्णय मेरे मत से ही होगा। इस वक्त मतदाता मालिक बन जाता है और मालिक याचक। बस केवल इसी से लोकतंत्र परिलक्षित है। बाकी सभी मर्यादाएं, प्रक्रियाएं हम तोड़ने में लगे हुए हैं। जो नेतृत्व स्वतंत्रता प्राप्ति का शस्त्र बना था, वही नेतृत्व जब तक पुनः प्रतिष्ठित नहीं होगी तब तक मत, मतदाता और मतपेटियां सही परिणाम नहीं दे सकेंगी। आज देश को एक सफल एवं सक्षम नेतृत्व की अपेक्षा है, जो राष्ट्रहित को सर्वोपरि माने। आज देश को एक अर्जुन चाहिए, जो मछली की आंख पर निशाने की भांति भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराध, महंगाई, बेरोजगारी, बढ़ती आबादी, सरकारी खजाने का गलत इस्तेमाल, देश की सीमा-रक्षा आदि समस्याओं पर ही अपनी आंख गड़ाए रखें। इस दृष्टि से सबकी नजरे मोदी पर ही लगी हैं।

मोदी ही अर्जुन की मुद्रा में हैं जो मछली की आंख पर निशाना लगा सके। वे ही युधिष्ठिर है, जो धर्म का पालन करते हुए दिख रहे हैं। जो स्वयं को संस्कारों में ढाल, मजदूरों की तरह श्रम कर रहे हैं। वे आदर्शों एवं मूल्यों के साथ चुनावों में उतरे हैं, राजनीति की चकाचौंध में धृतराष्ट्र बने नेताओं के लिये वे एक चुनौती है। सभी विपक्षी दलों में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव है और परिवारवाद तथा व्यक्तिवाद की छाया है। कोई अपने बेटे को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है तो कोई अपने बेटे को मुख्यमंत्री के रूप में। किसी का पूरा परिवार ही राजनीति में है, इसलिए विरासत संभालने की जंग भी जारी है। ऐसे में मोदी ही सबसे प्रभावी नेता बन कर सामने आ रहे हैं। महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे पुराने मुद्दे भी उठाए ही जा रहे हैं, लेकिन वोटर के फैसले में इनकी कितनी भूमिका रहेगी यह अभी स्पष्ट नहीं है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दो-दो यात्राओं से उपजे प्रभाव की परीक्षा भी इन्हीं चुनावों में होनी है। कुल मिलाकर, विपक्ष और सत्ता पक्ष कुछ भी कहे देशवासियों की जागरूक चेतना को देखते हुए यह तय माना जा सकता है कि आम चुनाव का यह लोकतांत्रिक पर्व एक बार फिर देश में लोकतंत्र की जड़ों को गहरा ही करेगा।

विपक्षी दलों ने देश-सेवा के स्थान पर स्व-सेवा में ही एक सुख मान रखा है। आधुनिक युग में नैतिकता जितनी जरूरी मूल्य हो गई है उसके चरितार्थ होने की सम्भावनाओं को इन विपक्षी दलों ने उतना ही कठिन कर दिया गया है। ऐसा लगता है मानो ऐसे तत्व पूरी तरह छा गए हैं। खाओ, पीओ, मौज करो। सब कुछ हमारा है। हम ही सभी चीजों के मापदण्ड हैं। हमें लूटपाट करने का पूरा अधिकार है। हम समाज में, राष्ट्र में, संतुलन व संयम नहीं रहने देंगे। यही आधुनिक चुनावों का घोषणा पत्र है, जिस पर लगता है कि सभी विपक्षी दलों ने हस्ताक्षर किये हैं। भला इन स्थितियों के बीच उन्हें वास्तविक जीत कैसे हासिल हो? आखिर जीत तो हमेशा सत्य की ही होती है और सत्य इन तथाकथित राजनीतिक दलों के पास नहीं है। महाभारत युद्ध में भी तो ऐसा ही परिदृश्य था। कौरवों की तरफ से सेनापति की बागडोर आचार्य द्रोण ने संभाल ली थी।

> "विपक्षी दलों ने देश-सेवा के स्थान पर स्व-सेवा में ही एक सुख मान रखा है। आधुनिक युग में नैतिकता जितनी जरूरी मूल्य हो गई है उसके चरितार्थ होने की सम्भावनाओं को इन विपक्षी दलों ने उतना ही कठिन कर दिया गया है। ऐसा लगता है मानो ऐसे तत्व पूरी तरह छा गए हैं। खाओ, पीओ, मौज करो। सब कुछ हमारा है। हम ही सभी चीजों के मापदण्ड हैं। हमें लूटपाट करने का पूरा अधिकार है। हम समाज में, राष्ट्र में, संतुलन व संयम नहीं रहने देंगे।

एक दिन दुर्योधन आचार्य पर बड़े क्रोधित होकर बोले-''गुरुवर कहां गया आपका शौर्य और तेज? अर्जुन तो हमें लगता है समूल नष्ट कर देगा। आप के तीरों में जंग क्यों लग गई। बात क्या है?'' आज लगभग हर राजनीतिक दल और उनके नेतृत्व के सम्मुख यही प्रश्न खड़ा है और इस प्रश्न का उत्तर भी और कहीं नहीं, उन्हीं के पास है। राजनीति की दूषित हवाओं ने हर राजनीतिक दल और उसकी चेतना को दूषित कर दिया है। सत्ता और स्वार्थ ने अपनी आकांक्षी योजनाओं को पूर्णता देने में नैतिक कायरता दिखाई है। इसकी वजह से लोगों में विपक्षी दलों के प्रति विश्वास इस कदर उठ गया है कि चौराहे पर खड़े आदमी को सही रास्ता दिखाने वाला भी झूठा-सा लगता है। आंखें उस चेहरे पर सच्चाई की साक्षी ढूंढ़ती हैं। यही कारण है कि दुर्योधन की बात पर आचार्य द्रोण को कहना पड़ा, ''दुर्योधन मेरी बात ध्यान से सुनो। हमारा जीवन इधर ऐश्वर्य में गुजरा है। मैंने गुरुकुल के चलते स्वयं 'गुरु' की मर्यादा का हनन किया है। हम सब राग रंग में व्यस्त रहे हैं। सुविधाभोगी हो गए हैं, पर अर्जुन के साथ वह बात नहीं। उसे लाक्षागृह में जलना पड़ा है, उसकी आंखों के सामने द्रौपदी को नग्न करने का दुःसाहस किया गया है, उसे दर-दर भटकना पड़ा है, उसके बेटे को सारे महारथियों ने घेर कर मार डाला है, विराट नगर में उसे नपुंसकों की तरह दिन गुजारने को मजबूर होना पड़ा। अतः उसके वाणों में तेज होगा कि तुम्हारे वाणों में, यह निर्णय तुम स्वयं कर लो। लगभग यही स्थिति आज के राजनीतिक दलों के सम्मुख खड़ी है। किसी भी राजनीतिक दल के पास आदर्श चेहरा नहीं है, कोई पवित्र एजेंडा नहीं है, किसी के पास बांटने को रोशनी के टुकड़े नहीं हैं, जो नया आलोक दे सकें। जो मोदी रूपी अर्जुन के देश-विकास के बाणों का मुकाबला कर सके।"

यह वक्त विपक्षी दलों और उनके उम्मीदवारों को कोसने की बजाय मतदाताओं के जागने का है। आज मतदाता विवेक से कम, सहज वृति से ज्यादा परिचालित हो रहा है। इसका अभिप्रायः यह है कि मतदाता को लोकतंत्र का प्रशिक्षण बिल्कुल नहीं हुआ। सबसे बड़ी जरूरत है कि मतदाता जागे, उसे लोकतंत्र का प्रशिक्षण मिले। हमें किसी पार्टी विशेष का विकल्प नहीं खोजना है। किसी व्यक्ति विशेष का भी विकल्प नहीं खोजना है। विकल्प तो खोजना है भ्रष्टाचार का, अकुशलता का, प्रदूषण का, भीड़तंत्र का, गरीबी के सन्नाटे का, महंगाई का, राजनीतिक अपराधों का। यह सब लम्बे समय तक त्याग, परिश्रम और संघर्ष से ही सम्भव है। धृतराष्ट्र रूपी दलों की आंखों में झांक कर देखने का प्रयास करेंगे तो वहां शून्य के सिवा कुछ भी नजर नहीं आयेगा। इसलिए हे मतदाता प्रभु! जागो! ऐसी रोशनी का अवतरण करो, जो दुर्योधनों के दुष्टों को नंगा करें और अर्जुन के नेक इरादों से जन-जन को प्रेरित करें।

मेड इन इंडिया Hero Mavrick 440 अब विदेश में भी मचाएगी धूम, यूरोपीय मार्केट में लॉन्च की तैयारी

Hero Mavrick 440 दुनिया की सबसे बड़ी दोपहिया निर्माता का लेटेस्ट प्रोडक्ट है। नई पेशकश यूरोप में A2 लाइसेंस धारकों पर लक्षित होगी जिससे इसे बड़ा कस्टमर बेस मिलेगा। हीरो मावरिक में एलईडी डीआरएल के साथ एलईडी लाइटिंग ब्लूटूथ कनेक्टिविटी और टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन के साथ एक डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल ऑल-मेटल बॉडी और 13 .5-लीटर फ्यूल टैंक हैं। आइए इसके बारे में जान लेते हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। Hero MotoCorp ने साल 2024 की शुरुआत में ही अपनी फ्लैगशिप बाइक Mavrick 440 की थी। कंपनी अब इसे विदेशी बाजारों में भी पेश करने जा रही है। हीरो मोटोकॉर्प की ये नियो-रेट्रो पेशकश यूके में बिक्री के लिए तैयार है। कंपनी ने यूके और अन्य यूरोपीय बाजारों के लिए MotoGB को अपना डिस्ट्रीब्यूटर पार्टनर बनाया है।

Hero Mavrick 440 में क्या खास?

Hero Mavrick 440 दुनिया की सबसे बड़ी दोपहिया निर्माता का लेटेस्ट प्रोडक्ट है। नई पेशकश यूरोप में A2 लाइसेंस धारकों पर लक्षित होगी, जिससे इसे बड़ा कस्टमर बेस मिलेगा। मैवरिक 440 अपना बेस HD X440 से साझा करती है। दोनों मोटरसाइकिलों को हीरो और हार्ले-डेविडसन द्वारा को-डेवलप किया गया है, जिसका लक्ष्य वैश्विक स्तर पर बढ़ते मध्यम आकार के मोटरसाइकिल सेगमेंट को ध्यान में रखना है।

इंजन और परफॉरमेंस

मावरिक 440 में X440 के ऊपर एक नए रियर सबफ्रेम के साथ एक ट्रेलिस मेनफ्रेम का उपयोग किया गया है, जबकि 6,000 आरपीएम पर 27 बीएचपी और 4,000 आरपीएम पर 36 एनएम के पीक टॉर्क के लिए समान 440 सीसी सिंगल-सिलेंडर इंजन का उपयोग किया गया है। इस पावरट्रेन को स्लिपर क्लच के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स मिला है।

फीचर्स और स्पेसिफिकेशन

हीरो मावरिक में एलईडी डीआरएल के साथ एलईडी लाइटिंग, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी और टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन के साथ एक डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, ऑल-मेटल बॉडी और 13.5-लीटर फ्यूल टैंक हैं। इसे तीन वेरिएंट में पेश किया गया है, जिसमें बेस ट्रिम में आर्कटिक व्हाइट शेड और स्पोक व्हील शामिल हैं।

मिड-ट्रिम में अलॉय व्हील के साथ मैटेलिक ब्लू और रेड कलर के विकल्प मिलते हैं, जबकि टॉप ट्रिम में इंजन और अलॉय पर मशीनी फिनिश के साथ मैट और ग्लॉस ब्लैक रंग मिलते हैं, साथ ही फ्यूल टैंक पर 3डी बैजिंग है।

यूरोपीय मार्केट के लिए फ्यूचर प्लान

Hero Mavric 440 यूरोप में हीरो के बड़े प्रयास का हिस्सा होगी। कंपनी ने इस साल EICMA 2023 में यूरोप में अपने इलेक्ट्रिक ब्रांड Vida के प्रवेश की भी घोषणा की है। निर्माता की योजना इस साल के अंत में Vida V1 Pro और V1 Coupe को यूरोप में पेश करने की है। यूरोप के लिए हीरो के प्लान के बारे में अधिक जानकारी आने वाले दिनों में उपलब्ध होनी चाहिए। कंपनी ने इसके प्राइस के बारे में कोई जिक्र नहीं किया है।

बचत भी ज्यादा और प्रदषूण भी नियंत्रित जाने कैसे, नोएडा की IX एनर्जी कंपनी ने बनाया 100 प्रतिशत बिजली से चलने वाला ट्रक

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। भारत देश की जनसंख्या और शहरीकरण में तेजी से वृद्धि हो रही है जिस कारण देश में वाहनों की मांग में भी भारी वृद्धि दर्ज हो रही है। वाहनों की वृद्धि के कारण वाहन उत्सर्जन भी बड़ रहा है जिससे प्रदषूण का स्तर बढ़ रहा है। इस वशिवैश्विक स्तर की समस्या का समाधान प्रदान करने के

लिए नोएडा में स्थापित कंपनी, IX एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड आगे आई और भारत देश में वाणिज्यिक / व्यवसायिक खडं में चल रहे वाहनों को अन्य फ्यूल मोड से विद्युतीकरण वाहनों में बदलने के कार्य में मदद के लिए आगे आई। **IX एनर्जी बसों और ट्रकों के विद्युतीकरण और रेट्रोफिटमेंट पर काम कर रही है।**

IX एनर्जी ने ट्रक एलपीटी 407 ई.एक्स.को सफलता पूर्वक रेट्रोफिट के द्वारा नवीनतम इलेक्ट्रिक ट्रक में बदला, **6250 किलोग्राम जीवीडब्ल्यू सेगमेंट में भारत का पहला एआरएआई स्वीकृत इलेक्ट्रिक ट्रक बनाया।** सिगंल चार्ज में यह ट्रक 120 किलोमीटर की रेंज पूर्ण करता है और इसे चलाने का खर्च मात्र 4 रुपये प्रति किलोमीटर आता है। इस ट्रक की बैट्री को फुल चार्ज करने में केवल 1.25 घटे का समय लगता है।

यह ट्रक ईवी इंडस्ट्री में गेमचेंजर साबित होगा क्योंकि यह रेट्रोफिटमेंट का उत्पाद है। मूल रूप से, रेट्रोफिटमेंट में पुराने आईसी इंजन चालित वाहनों के इंजन को इलेक्ट्रिक मोटर और बैट्री से बदलकर इलेक्ट्रिक ट्रक में बदल दिया जाता है। **चेसिस और अधिकांश घटकों में उच्च स्थायित्व है जिसका उपयोग लम्बे समय तक किया जा सकता है जो कि आईसीई वाहनों के उपयोग के लिए सरकार द्वारा परिभाषित 10-15 साल की समय सीमा से बाहर है।**

रेट्रोफिटमेंट की अवधारणा पुरी तरह से नए इलेक्ट्रिक वाहन के निर्माण से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को रोकने में मदद करती है। प्रत्येक टन इस्पात उत्पादन से 2 टन कार्बन उत्पन्न होता है। 6-टन सकल वजन वाले ट्रक के लिए जिसमें लगभग 3 टन स्टील होता है, एक रेट्रोफिटेड ट्रक एक नए ट्रक की तुलना में 6 टन कम प्रदषूणकारी होता है।

नया ट्रक खरीदने की तुलना मे रेट्रोफिटेड इलेक्ट्रिक ट्रक खरीदने के लिए खरीदार को कम पैसे खर्च करने पड़ते हैं।

ऑडी इंडिया लोकल प्रोडक्शन पर करेगी फोकस, घरेलू बाजार में किफायती EVs बेचने का प्लान

Audi India की ओर से EVs की लोकल असेंबली शुरू करने का प्लान किया जा रहा है। ऑटोमेकर वर्तमान में इंडियन ऑटो मार्केट के अंदर Q8 50 e-tron Q8 55 e-tron Q8 Sportback 50 e-tron Q8 Sportback 55 e-tron e-tron GT और RS e-tron GT बेचती है। इनमें से अधिकतर कारें फिलहाल इम्पोर्ट की जाती हैं। आइए पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। लग्जरी कार निर्माता कंपनी Audi India की ओर से EVs की लोकल असेंबली शुरू करने का प्लान किया जा रहा है। कंपनी अपने इस कदम से देश में कस्टमर बेस का विस्तार कर सकेगी, क्योंकि गाड़ियों की लागत कम होने वाली है। आइए, पूरे प्लान के बारे में जान लेत हैं।

Audi India की फ्लीट

ऑटोमेकर वर्तमान में इंडियन ऑटो मार्केट के अंदर Q8 50 e-tron, Q8 55 e-tron, Q8 Sportback 50 e-tron, Q8 Sportback 55 e-tron, e-tron GT और RS e-tron GT बेचती है। इनमें से अधिकतर कारें फिलहाल इम्पोर्ट की जाती हैं। हालांकि, कंपनी अपनी औरंगाबाद (महाराष्ट्र) स्थित फैसिलिटी में Q3, Q3 Sportsback, Q5, Q7, A4 और A6 जैसे पेट्रोल मॉडल को असेंबल करती है।

लोकल असेंबली पर जोर

समाचार एजेंसी पीटीआई से बातचीत करते हुए ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि ईवी की लोकल मैन्युफैक्चरिंग डेवलपमेंट में है और इसके लिए ग्लोबल हेडक्वॉर्टर से सक्रिय रूप से चर्चा चल रही है। उन्होंने कहा-

हम Audi AG के साथ बहुत सकारात्मक रूप से काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि किसी समय हम इसकी (ईवी मॉडलों की स्थानीय असेंबली) घोषणा करने में सक्षम होंगे।

प्रक्रिया शुरू होने की अपेक्षित समयसीमा के बारे में पूछे जाने पर, ढिल्लों ने कोई विशेष तारीख साझा नहीं की, लेकिन कहा कि इंडिया यूनिट ग्लोबल हेडक्वॉर्टर साथ इस मामले पर बहुत ₹सकारात्मक₹ चर्चा कर रही है। उन्होंने कहा, ₹उम्मीद है कि किसी समय हमारे पास कुछ समाधान होगा। यही वह समय है जब आप और भी अधिक (ग्राहकों के समूह) तक पहुंच सकते हैं, क्योंकि तब आपको प्राइस प्वॉइंट के मामले में सबसे अच्छा लाभ मिलेगा।₹

कैसे घटेगी कीमत?

वर्तमान में, भारत में पूरी तरह से निर्मित इकाइयों (सीबीयू) के रूप में आयात की जाने वाली कारों पर 60 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक सीमा शुल्क लगता है। देश की सीमा शुल्क प्रणाली इलेक्ट्रिक कारों और हाइड्रोकार्बन-संचालित वाहनों के साथ समान व्यवहार करती है घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण टैरिफ लगाती है। वैश्विक स्तर पर ऑडी अगले 2-3 वर्षों में कई इलेक्ट्रिक मॉडल पेश करने पर विचार कर रही है, जिनमें से कई भारत में भी आएंगे, जिससे भारतीय परिचालन को यह चुनने में मदद मिलेगी कि किसे स्थानीय बनाना है।

इलेक्ट्रिक स्कूटर्स जल्द हो जाएंगे महंगे! FAME-2 योजना खत्म होते ही 60 प्रतिशत की बढ़ोतरी संभव

रेटिंग एजेंसी ICRA ने एक स्टडी के हवाले से कहा है कि फेम स्कीम खत्म होने के साथ इलेक्ट्रिक स्कूटर अपने पेट्रोल कंपटीटर्स की तुलना में 70 प्रतिशत महंगे हो जाएंगे। स्टडी में यह भी दावा किया गया है कि वित्त वर्ष 2025 में भारत के दोपहिया बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों की रीच 8 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। आइए पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। सरकार द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री बढ़ाने के लिए FAME Scheme शुरू की गई थी। समय के साथ इसे आगे बढ़ाया गया है और FAME 2 सब्सिडी भी लागू हुई। हालांकि, अब 31 मार्च 2024 से इसे पूरी तरह से खत्म कर दिया जाएगा, जिसके बाद Electric Vehicles महंगे होने वाले हैं।

Electric Scooters के बढ़ेंगे दाम!

रेटिंग एजेंसी ICRA ने एक स्टडी के हवाले से कहा है कि फेम स्कीम खत्म होने के साथ, इलेक्ट्रिक स्कूटर अपने पेट्रोल कंपटीटर्स की तुलना में 70 प्रतिशत महंगे हो जाएंगे। एजेंसी ने कहा है कि FAME 2 सब्सिडी के बिना, इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन की शुरुआती खरीद लागत, प्रोत्साहनों की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत बढ़ जाएगी।

EMPS से कटौती की उम्मीद

स्टडी में यह भी दावा किया गया है कि वित्त वर्ष 2025 में भारत के दोपहिया बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों की रीच 8 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां FAME 2 सब्सिडी की समाप्ति EV खरीदारों और निर्माताओं के लिए एक झटका हो सकती है, वहीं इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम (EMPS) 2024 की हालिया घोषणा देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने का समर्थन करना जारी रखेगी।

क्या है सरकार का प्लान?

ईएमपीएस ने इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों को समर्थन देने के लिए कुल ₹333.39 करोड़ की राशि आवंटित की है, जिसके तहत 333,387 इलेक्ट्रिक स्कूटरों को अप्रैल और अगस्त 2024 के बीच 10,000 रुपये का लाभ मिलेगा।

FAME 2 की समाप्ति और EMPS 2024 की शुरूआत के प्रभाव के बारे में बोलते हुए, ICRA के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और कॉर्पोरेट रेटिंग के समूह प्रमुख शमशेर दीवान ने कहा कि नई योजना इलेक्ट्रिक टू के लिए व्यवधान-मुक्त वातावरण प्रदान करना जारी रखेगी।

सूरज की सौर ऊर्जा

सुदर्शन सोलंकी

जीवाश्म ईंधन और दूसरे पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों ने पृथ्वी का तापक्रम बढने और नतीजे में जलवायु परिवर्तन के संकट खड़े कर दिए हैं। अच्छी बात यह है कि दुनियाभर में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर अहर्निश काम हो रहा है। सौर ऊर्जा उनमें से एक है। इस आलेख में इसी विषय को खंगालने का प्रयास करेंगे। मानव सभ्यता प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर उन्नत तो हुई है, किन्तु हमारी ऊर्जा की खपत भी बढ़ती जा रही है।

सौर ऊर्जा के उपयोग की एक टेक्नॉलॉजी 'सौर फोटो वोल्टेइक सेल' (पीवीसी) है। यह पीवीसी सौर ऊर्जा को सीधे बिजली में बदल देते हैं। अंतरिक्ष में इस तरह संयंत्र स्थापित करना अत्यधिक लाभदायक है क्योंकि यह संयंत्र सौर ऊर्जा को पृथ्वी के वातावरण में प्रवेश से पहले ही ग्रहण कर लेते हैं जिसके चलते वातावरण में बिखरने से पहले ही उसका उपयोग हो सकता है। दूसरा प्रमुख फायदा यह है कि इन संयंत्रों पर बादल का कोई असर नहीं पड़ेगा जिससे यह साल भर बिना रुकावट के काम कर सकेंगे। चीन 2021 से 2025 के बीच कई सारे छोटे या मध्यम आकार के संयंत्र पृथ्वी से 36000 किलोमीटर दूर की कक्षा में स्थापित करने में सफल हो सकता है। यह बेहतर है कि अब समूचा विश्व सौर ऊर्जा पर शोध और अध्ययन कर उसकी उपलब्धता सुनिश्चित करने में लगा है। तेल, कोयला तथा ऊर्जा के अन्य परम्परागत साधन पर्यावरण सम्बन्धी समस्याएं पैदा करते हैं, इसलिए सौर ऊर्जा का उपयोग किया जाना ही बेहतर विकल्प है। ऊर्जा के परंपरागत स्रोतों से जिस तरह की समस्याएं खड़ी हो रही हैं, उनसे निजात पाने का यही तरीका है'

जीवाश्म ईंधन और दूसरे पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों ने पृथ्वी का तापक्रम बढने और नतीजे में जलवायु परिवर्तन के संकट खड़े कर दिए हैं। अच्छी बात यह है कि दुनियाभर में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर अहर्निश काम हो रहा है। सौर ऊर्जा उनमें से एक है। इस आलेख में इसी विषय को खंगालने का प्रयास करेंगे। मानव सभ्यता प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर उन्नत तो हुई है, किन्तु हमारी ऊर्जा की खपत भी बढ़ती जा रही है। यदि इसी तरह ऊर्जा के परम्परागत साधनों का उपयोग बढ़ता गया, तो भविष्य में भयानक ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ेगा। दिनों-दिन बढ़ता वैश्विक तापमान और जलवायु परिवर्तन गंभीर समस्या बनता जा रहा है। इससे बचाव के लिए वैज्ञानिक जीवाश्म ईंधनों के विकल्पों को तलाश रहे हैं। सभी तरह के विकल्पों में सौर ऊर्जा सबसे बेहतर है क्योंकि यह सस्ती, सर्वसुलभ, निरापद, निरंतर उपयोग लाई जाने वाली अक्षय ऊर्जा है। हाल ही में मिशिगन यूनिवर्सिटी के जेटियन माई और उनके साथियों द्वारा किए गए एक शोध में उन्होंने तांबा और लोहा आधारित एक ऐसा उत्प्रेरक विकसित किया है जो सौर ऊर्जा का उपयोग कर कार्बन डाईऑक्साइड को मीथेन में परिवर्तित करता है, जिसे हम ईंधन के रूप में उपयोग कर सकते है। 'प्रोसीडिंग्स ऑफ दी नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज' में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक तांबा-लोहा आधारित यह नया उत्प्रेरक अब तक की सबसे तीव्र दर से और सबसे अधिक ऊर्जा उत्पन्न करने वाला है। वहीं लॉस एंजेल्स, कैलिफोर्निया में एक सौदे के तहत एक विशाल सौर फार्म स्थापित किया जा रहा है जहां दुनिया की एक सबसे बड़ी बैटरी का इस्तेमाल किया जाएगा। यह शहर को 7 प्रतिशत बिजली प्रदान करेगा एवं इसकी लागत बैटरी के लिए 1.3 सेंट प्रति यूनिट और सौर ऊर्जा के लिए 1.997 सेंट प्रति किलोवाट घंटा होगी। यह किसी भी जीवाश्म ईंधन से उत्पन्न ऊर्जा से काफी सस्ती है।

मार्च 2019 में ब्लूमबर्ग न्यू एनर्जी फाइनेंस द्वारा 7000 से अधिक वैश्विक भंडारण परियोजनाओं के विश्लेषण से पता चला है कि 2012 के बाद से लीथियम बैटरी की लागत में 76 प्रतिशत की कमी आई है। एक अन्य अध्ययन के अनुसार 2030 तक इसकी कीमतें आधी होने का अनुमान है जो '8-मिनट सोलर एनर्जी' नामक कंपनी द्वारा लगाए गए अनुमान से भी कम है। 'ब्लूमबर्ग न्यू एनर्जी फाइनेंस' नवीन सौर-प्लस-स्टोरेज कैलिफोर्निया में तैयार करने जा रही है। इस परियोजना से प्रतिदिन 400 मेगावाट सौर संयंत्रों का जाल बनाया जाएगा जिससे सालाना लगभग 876000 मेगावॉट घंटे बिजली पैदा होगी। यह दिन के समय 65000 से अधिक घरों के लिए पर्याप्त होगी। इसकी मुख्य विशेषता यह है कि इसकी 800 मेगावॉट घंटे की बैटरी सूरज डूबने के बाद बिजली को संग्रहित करके रखेगी जिससे प्राकृतिक गैस जनरेटर की जरूरत कम हो जाएगी। भारत में कुल सिंचित क्षेत्र के लिए 2 करोड़ पंप को बिजली से तथा 75 लाख पंप को डीजल से ऊर्जा मिलती है। कृषि क्षेत्र बिजली का एक प्रमुख उपभोक्ता है। कई राज्यों में कुल बिजली खपत में से एक-चौथाई से लेकर एक-तिहाई तक कृषि में खर्च किया जाता है। यह बिजली की मांग अगले 10 वर्षों में खेती में दुगनी होने की संभावना है। यदि इसके लिए नए विकल्प नहीं अपनाए गए तो खेती में बिजली सप्लाई की स्थिति बिगड़ती जाएगी। यदि यहां भी सौर ऊर्जा का विकल्प अपनाया जाए तो यह बिजली स्थिर कीमत के अनुबंध के आधार पर अगले 25 वर्षों तक 2.75 से लेकर 3.00 रुपए प्रति यूनिट की दर से मिल सकती है। महाराष्ट्र में सौर कृषि फीडर योजना के तहत कुल लगभग 2-3 हजार मेगावॉट के सौर संयंत्र निविदा और क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। यह करीब 7.5 लाख पंप यानी महाराष्ट्र के कुल पंप्स में 20 प्रतिशत को सौर बिजली सप्लाई करने के बराबर है। भारत स्थित क्लाइमेट ट्रेंड्स और इंग्लैंड स्थित ग्रीन टेक स्टार्टअप, राइडिंग सनबीम्स के एक नए अध्ययन से पता चला है कि भारतीय रेलवे लाइनों को सौर ऊर्जा की सीधी आपूर्ति से, रेलवे के राष्ट्रीय नेटवर्क में चार में से कम से कम एक ट्रेन को चलाने से सालाना लगभग 7 मिलियन टन कार्बन की बचत होगी। शोधकर्ताओं ने पाया कि कोयला प्रधान ग्रिड से आपूर्ति की गई ऊर्जा के बजाय सौर से आपूर्ति भी हर साल 6.8 मिलियन टन कार्बन डाईऑक्साइड तक उत्सर्जन में कटौती कर सकती है, जो देश के एक शहर कानपुर के पूरे वार्षिक उत्सर्जन के बराबर है। चीन अंतरिक्ष में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की तैयारी कर रहा है।

सौर ऊर्जा के उपयोग की एक टेक्नॉलॉजी 'सौर फोटो वोल्टेइक सेल' (पीवीसी) है। यह पीवीसी सौर ऊर्जा को सीधे बिजली में बदल देते हैं। अंतरिक्ष में इस तरह संयंत्र स्थापित करना अत्यधिक लाभदायक है क्योंकि यह संयंत्र सौर ऊर्जा को पृथ्वी के वातावरण में प्रवेश से पहले ही ग्रहण कर लेते हैं जिसके चलते वातावरण में बिखरने से पहले ही उसका उपयोग हो सकता है। दूसरा प्रमुख फायदा यह है कि इन संयंत्रों पर बादल का कोई असर नहीं पड़ेगा जिससे यह साल भर बिना रुकावट के काम कर सकेंगे। चीन 2021 से 2025 के बीच कई सारे छोटे या मध्यम आकार के संयंत्र पृथ्वी से 36000 किलोमीटर दूर की कक्षा में स्थापित करने में सफल हो सकता है। यह बेहतर है कि अब समूचा विश्व सौर ऊर्जा पर शोध और अध्ययन कर उसकी उपलब्धता सुनिश्चित करने में लगा है। तेल, कोयला तथा ऊर्जा के अन्य परम्परागत साधन पर्यावरण सम्बन्धी समस्याएं पैदा करते हैं, इसलिए सौर ऊर्जा का उपयोग किया जाना ही बेहतर विकल्प है। ऊर्जा के परंपरागत स्रोतों से जिस तरह की समस्याएं खड़ी हो रही हैं, उनसे निजात पाने का यही तरीका है कि पूरे विश्व में सौर ऊर्जा के विकल्प को विकसित किया जाए। सौर ऊर्जा के लिए हो रहे अध्ययन एवं अनुसंधान सही दिशा में उठाए गए कदम हैं। आशा की जानी चाहिए कि परंपरागत ऊर्जा स्रोतों से आ रही मुश्किलों का समाधान जल्द हो जाएगा।

संपादक की कलम से

चुनावी बॉन्ड 'काला धन' कैसे?

चुनावी बॉन्ड को सर्वोच्च अदालत 'असंवैधानिक' करार दे चुकी है और उन पर रोक भी लगा दी गई है, लिहाजा यह अध्याय यहीं समाप्त हो जाना चाहिए था। अब चुनाव आयोग अपनी वेबसाइट पर वे ब्यौरे जारी कर रहा है, जो भारतीय स्टेट बैंक ने भेजे हैं और जारी करने का आदेश सर्वोच्च अदालत का है। कांग्रेस समेत विपक्ष के दल इस चुनावी चंदे को 'बहुत बड़ा घोटाला' चित्रित कर रहे हैं, जो हास्यास्पद राजनीति है। यदि बॉन्ड के जरिए फरवरी, 2024 तक करीब 7700 करोड़ रुपए का चंदा भाजपा को मिला है, तो नवम्बर, 2023 तक 1334.35 करोड़ रुपए का चंदा कांग्रेस के हिस्से भी आया है। गणना कर लें कि फरवरी, 2024 तक कितना पैसा कांग्रेस के खजाने तक पहुंचा होगा! सूची में दूसरा स्थान तृणमूल कांग्रेस का है, जिसे 1397 करोड़ रुपए का चंदा मिला है। एक क्षेत्रीय दल को इतना चंदा'! सूची में बीआरएस, बीजद, द्रमुक, वाईएसआर कांग्रेस, टीडीपी, राजद, एनसीपी, सपा, अकाली दल, अन्नाद्रमुक आदि क्षेत्रीय दल भी हैं, जिन्हें उनकी हैसियत के मुताबिक करोड़ों में चंदा दिया गया है। क्या कांग्रेस समेत वे सभी दल 'घोटालेबाज' हैं? चुनावी बॉन्ड पर शीर्ष अदालत के फैसले पर कोई सवाल नहीं, अलबत्ता देश का बौद्धिक और जागरूक वर्ग कमोबेश चिंतन कर सकता है कि ऐसा चुनावी चंदा 'घोटाला' कैसे माना जा सकता है? विश्व में ऐसा कोई देश नहीं है, जहां राजनीतिक दलों को चंदा न दिया जाता हो। जहां आम चुनाव के लिए सरकारें आर्थिक संसाधन मुहैया कराती हैं, वहां भी औद्योगिक घराने और वैचारिक तौर पर जुड़ी आम जनता चुनावी चंदे देती रही है।

यह एक सार्वजनिक परंपरा और प्रक्रिया है। औसत करदाता को आयकर या अन्य कर-योग्य संपदा में छूट भी मिलती है, लिहाजा देश की आजादी और संविधान को ग्रहण करने के बाद चंदा देने की परंपरा रही है। इस चंदे के संदर्भ में 'काला धन' का खूब शोर मचाया जा रहा है, लेकिन जो पैसा देश के बुनियादी ढांचे के विकास और जन-कल्याण की परियोजनाओं में निवेश किया जाता रहा है, उस आर्थिक स्रोत को 'काला धन' करार कैसे दिया जा सकता है? दरअसल चुनावी बॉन्ड के तौर पर व्यक्ति, संस्थान, औद्योगिक ईकाई और समूह जितना पैसा निवेश करते हैं, वह अनिवार्य रूप से उनके खातों में दिखाया जाता है। जिन राजनीतिक दलों को बॉन्ड के जरिए चंदा मिला है, उसे दलों ने भी अपने अधिकृत खातों में दिखाया होगा। चुनाव आयोग एक निश्चित अंतराल पर इन खातों की जांच करता रहा है। तो फिर बॉन्ड में खर्च किया गया धन 'काला धन' कैसे कहा जा सकता है? दरअसल 'काला धन' वह है, जिसे आरोपित व्यक्ति या कॉरपोरेट घराने अथवा राजनेता विदेशी बैंकों में खाते खुलवा कर जमा कर देते हैं और कर-जांच एजेंसियों को उनके खुलासे भी नहीं किए जाते। ऐसे कई 'काले रहस्योद्घाटन' हो चुके हैं। अभी तक चुनाव आयोग के जरिए जितने चुनावी बॉन्ड सार्वजनिक किए गए हैं, उनमें रिलायंस, अंबानी, टाटा, बिरला सरीखे बड़े औद्योगिक समूहों के नाम नहीं हैं। क्या वे राजनीतिक दलों को चंदा नहीं देते? सबसे अधिक 1368 करोड़ रुपए के बॉन्ड खरीदने वाले 'लॉटरी किंग' मार्टिन की कंपनी 'फ्यूचर गेमिंग' पर प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई, आयकर आदि सरकारी एजेंसियों के कई बार छापे मारे जा चुके हैं, जेल भी जाना पड़ा है, फिर भी उसने सर्वाधिक चंदा दिया है। चूंकि कंपनी का मुख्यालय अब तमिलनाडु में है, लिहाजा वहां की सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक को 509 करोड़ रुपए का चंदा दिया गया है। ऐसी कई कंपनियां चुनावी चंदे की सूची में हैं, जिनका मुनाफा कम है, लेकिन वे कई गुना ज्यादा चंदा दे रही हैं। ऐसी भी खबरें आई हैं कि किसी ने बंद लिफाफे में 1-1 करोड़ के 10 बॉन्ड जद-यू के दफ्तर में भेज दिए। भाजपा को 8 बार एक ही दिन में 100-100 करोड़ मिले। एक दिन में 200 करोड़ भी मिले। भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल सहित कई दलों ने चंदा देने वालों के नाम के खुलासे नहीं किए हैं। बताया जाता है कि बसपा, इंनेलो, एमआईएम, एनपीपी समेत कई छोटे दलों को बॉन्ड से चंदा नहीं मिला है।

राय

सियासी भाषा का मनोविज्ञान

हिमाचल में कांग्रेस का नया युग, बीते कल से मुकाबला कर रहा है। जाहिर है भाषण और भाषा सडक़ की सभ्यता में नए उच्चारण तक पहुंच गई है या राजनीति का मनोविज्ञान अब बोलने की नई परिभाषा है। आगामी लोकसभा चुनाव की फांस में सरकार, सत्ता और कांग्रेस के बीच नए अफसाने जन्म ले रहे हैं, तो कमोबेश भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने विपक्ष की कुंडलियों में अपने अर्थ की शब्दावली बैठा दी है। अब भाषा की संगत भी सोशल मीडिया की तरह बेपरवाह, नुकीली व प्रहारक बन गई है। यह सियासत का नया दौर है और जाहिर तौर पर पिछले एक दशक के आरोहण में हमने गिरते हुए शब्द, झगड़ते हुए अर्थ तथा मरती हुई भाषायी मर्यादा देखी है। अब बात अगर मेंढक तक पहुंच जाएगी, तो भाषायी उछलकूद कोहराम तो मचाएगी ही। बहरहाल हिमाचल में जनता के लिए और जनता के सामने कसूरवार तो भाषा ही है। यह पहले पक्ष-विपक्ष में गिर रही थी, लेकिन अब अपने ही भितरघात को शब्दों के युद्ध में पहचान रही है। जाहिर है हम हिमाचली जिन बोलियों में स्वयं को अभिव्यक्त करते हैं, वहां शब्दों का प्रचलन अपने आप में माधुर्य की संस्कृति में अभिव्यक्त होता रहा है। बेशक व्यंग्य का पुट, मुहावरों की गहराई और अनौपचारिक संवाद में हिमाचली समाज अपनी कठिनाइयों की सहजता में चलता रहा है, लेकिन अब राजनीति के सार्वजनिक मंच ने हमसे भाषायी संस्कार और संतुलन छीन लिया है। यह काफी हद तक राजनीति के आरपार होने लगा और इसीलिए इसके अक्स में स्थानीय निकाय तक के चुनाव ने सामाजिक गली को गाली बना दिया। कांग्रेस के बीच जिस हिसाब से घटनाक्रम रहे हैं, वहां एक नए युग की परिकल्पना से इन्कार नहीं किया जा सकता। ऐसे में असमंजस के सारे कारण जनता को अपने राज्य के नसीब पर संदेह करने का अवसर दे रहे हैं। एक ही पार्टी, एक ही सत्ता के बीच शह और मात का खेल अगर सार्वजनिक मंच पर अभिव्यक्ति की सीमा से बाहर भाषा के उच्चारण को गिरा रहा है, तो कहीं कमजोरियों के आलम में सिंह गर्जना का क्या तात्पर्य बचेगा। जो हुआ, नहीं होना चाहिए था, लेकिन जो अब लगातार हो रहा है, अवांछित व अप्रिय है। हम राजनीतिक कारणों से हिमाचल की भाषायी संस्कृति को गिराते रहेंगे, तो एक दिन यहां के फैसले सिर्फ मौखिक गालियों के सहारे ही जन्म लेंगे। मंचीय युद्ध की पैमाइश में भले ही कोई पक्ष आगे दिखाई दे, लेकिन यहां हर कदम की एक भाषा है। बागी विधायकों के लिए न्याय की भाषा क्या सुनाएगी या सीपीएस पर सरकार को कानून के शब्द क्या बताएंगे, इसके ऊपर सारा दारोमदार टिका है, वरना सत्ता के प्रभाव से अंगुली मरोडने का भाषायी अर्थ कौन नहीं जानता। किसी विधायक के पिता या किसी विधायक पर एफआईआर हो जाने की भाषा में गुरूर हो सकता है, लेकिन जमानत मिलने में अधिकारों की भाषा नxार आती है। यही अधिकारों की भाषा मतदाता के काम आएगी और इसीलिए वह कभी दिल्ली से अपने प्रधानमंत्री की भाषा में सुन रहा है कि हिमाचल में कहां फोरलेन, कहां सुरंग और कहां नेशनल हाईवे बन रहे हैं। वह ऊना से निकलती नई रेलगाडियों की भाषा में सशक्त होते अनुराग ठाकुर, तो हिमाचल के मंचों से निकलती मुख्यमंत्री की वाणी में मजबूत होते विधायकों को देख रहा है। मतदाता का अधिकार अतीत में कांग्रेस को सत्ता में जहां ले आया, वहां की भाषा अब उसकी समझ से परे है, लेकिन एक नया अधिकार कल उसके हाथ को पुनः सशक्त करेगा। मतदाता के चारों ओर चुनाव की भाषा और चुनाव की भाषा में तमाम सरकारें अगर अर्थपूर्ण हो सकती हैं, तो ये हर समय जनता की भाषा क्यों नहीं बोल पातीं। जनता की भाषा में चूल्हा, रोजगार, व्यापार तथा जीवन के सारे हालात बोलते हैं, लेकिन अब सरकारें सिर्फ अपनी भाषा में कहती और अपनी ही भाषा में सुनने लगी हैं।

स्कूल के सालाना समारोह कितने हितकारी

शिष्यों और गुरुओं के बीच संबंध बहुत मूल्यवान थे, परंतु आज शिक्षा ग्रहण करने का स्वरूप बदलता हुआ दिखाई देता है। अधिकतर बच्चे स्कूलों में अपने मनोरंजनात्मक कार्यों के लिए पाठशाला में समय बिताने आते हैं। अध्यापकों के कठोर वचनों का विरोध करते हैं और किसी भी हद तक जाने से भी गुरेज नहीं करते। आज ऐसे लगता है जैसे अर्जुन और गुरु द्रोणाचार्य जैसा रिश्ता कागजों में ही सिमट कर रह गया है। विद्यार्थियों में असंतोष और रास्ते से भटकने का एक कारण यह भी मुझे लगता है कि आज विज्ञान ने काफी तरक्की कर ली है, परंतु इस तरक्की का नाजायज प्रयोग आज का युवा वर्ग कर रहा है, जैसे मोबाइल की वजह से

वार्षिक समारोह किसी भी विद्यार्थी जीवन के लिए महत्वपूर्ण दिन माना जाता है। इस पर्व में पूरे वर्ष भर का लेखा-जोखा उसकी उपलब्धियों को सम्मानित करने का शुभ अवसर भी प्राप्त होता है। विद्यार्थी भी इस प्रकार के सह संज्ञानात्मक गतिविधियों में वार्षिक समारोह को मनाने से पूर्व बड़ी उत्सुकता के साथ तैयारी में जुट जाते हैं। अध्यापकों द्वारा सिखाए गए तमाम उन गतिविधियों का निचोड़ हम इस दिन देखते हैं। ऐसे समारोह को स्कूलों में आयोजित करने से इसकी महता इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन से न केवल साहित्य और संस्कृति की पहचान होती है, बल्कि बच्चों के अंदर छिपी हुई प्रतिभाएं उजागर होती हैं, साथ ही बच्चे विशेष की पहचान करने का एक सुनहरा अवसर भी मिलता है। कार्यक्रमों को कैसे विधिवत तरीके से आयोजित किया जाता है, इसकी बखूबी जानकारी से बच्चे रूबरू होते हैं। आजकल ऐसे समारोहों को मनाने की परंपरा काफी जोरों पर है। अध्यापक भी उनकी तैयारी में बढ़-चढक़र भाग लेते हैं। पढ़ाई से ज्यादा महत्वपूर्ण बच्चों के संस्कार होते हैं जिन्हें बच्चा अध्यापक से अधिक सीखता है। जिस बच्चे में संस्कारिक गुण विकसित होते हैं, वह सदैव सफल इनसान बनता है।

एक अध्यापक को बच्चों अथवा विद्यार्थी से यही उम्मीद रहती है कि उसे मिलने पर मान-सम्मान दे और उनके द्वारा पढ़ाया गया बच्चा देश का एक अच्छा नागरिक बने। जिस भी पद पर कार्य करे, ईमानदारी से और एक सफल इनसान बने। विद्यार्थियों में ऐसे गुण देख कर अध्यापक का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। आजकल अधिकतर विद्यार्थी शैक्षिक मूल्य से भटककर ऐसे गलत रास्ते की ओर जा रहे हैं जिससे उनका जीवन अंधकारमय होता दिखाई देता है। कई प्रकार के नशों में संलिप्त होकर गलत आदतों का शिकार हो रहे हैं। वे अपने मां-बाप की कमाई की परवाह न करते हुए समाज और अध्यापक की नजरों में चरित्रहीन होते दिखाई देते हैं जिससे एक अध्यापक और अभिभावकों को काफी आघात पहुंचता है। अध्यापक स्कूली कक्षा कक्ष में सबको बराबर शिक्षा देता है, परंतु कुछ शिक्षा व समय का उचित फायदा उठाकर अपने भविष्य को संवार लेते हैं और समाज की मर्यादा का पालन करते हैं, परंतु कुछ ऐसे शिक्षा विहीन रह जाते हैं जो समय और अध्यापकों की शिक्षाओं की परवाह न करते हुए गलत आदतों का शिकार हो जाते हैं और ऐसे साथी ढूंढ लेते हैं जिनका मकसद गुंडागर्दी, चौरी, डकैती और दहशत फैलाना ही मात्र रह जाता है।

इसलिए ऐसे वार्षिक समारोहों को मनाने का मकसद बच्चों को सही दिशा में ले जाने के लिए नुक्कड़ नाटकों और भाषणों के द्वारा बच्चों और अभिभावकों को शैक्षिक मूल्यों और नैतिक मूल्यों से अभिप्रेरित करवाना होता है। विद्यार्थी जीवन में अधिकतर छात्रों को समय के महत्व की जानकारी नहीं होती है। जैसे कहावत भी है, बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता। जिस भी विद्यार्थी ने मां-बाप और गुरुओं का सम्मान करना सीख लिया और जो भी पढ़ाया अथवा सिखाया जाता है, उसको समझ के साथ अपने व्यावहारिक जीवन में उतार लिया। अच्छी और बुरी आदतों की पहचान करना सीख लिया, तो सफलता अपने आप ही उसके कदम चूमने लगती है। प्राचीन काल में शिक्षा गुरुकुलों में दी जाती थी। शिष्यों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए कठिन से कठिन परीक्षाओं से गुजरना पड़ता था। शिष्यों और गुरुओं के बीच संबंध बहुत मूल्यवान थे, परंतु आज शिक्षा ग्रहण करने का स्वरूप बदलता हुआ दिखाई देता है। अधिकतर बच्चे स्कूलों में अपने मनोरंजनात्मक कार्यों के लिए पाठशाला में समय बिताने आते हैं। अध्यापकों के कठोर वचनों का विरोध करते हैं और किसी भी हद तक जाने से भी गुरेज नहीं करते। आज ऐसे लगता है जैसे अर्जुन और गुरु द्रोणाचार्य जैसा रिश्ता कागजों में ही सिमट कर रह गया है। विद्यार्थियों में असंतोष और रास्ते से भटकने का एक कारण यह भी मुझे लगता है कि आज विज्ञान ने काफी तरक्की कर ली है, परंतु इस तरक्की का नाजायज प्रयोग आज का युवा वर्ग कर रहा है, जैसे मोबाइल की वजह से विज्ञान और ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति आई है, बहुत से लोग इस मोबाइल का गलत इस्तेमाल कर अपना समय और जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं और कुछ तो कर भी बैठे हैं।

मोबाइल के साथ इस प्रकार चिपके हुए हैं जैसे मखीर के साथ मक्खी। मोबाइल का सही प्रयोग वरदान है, परंतु इसके गलत इस्तेमाल से जिंदगी अभिशाप बन गई है। आज आवश्यकता इस बात की है कि अध्यापक ऐसे समारोहों के दौरान बच्चों और अभिभावकों के बीच संवाद करके तमाम मूल्यों पर आधारित शिक्षा पर ध्यान अवलोकित किया जाए। दिशाहीन बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां तैयार करके मार्गदर्शन किया जाए। इस पुनीत कार्य के लिए अध्यापक और अभिभावकों तथा समाज के अनुभवी लोगों के साथ सामंजस्य और सहयोग से गतिविधियां संचालित की जाएं। वार्षिक समारोह को प्राइमरी स्तर से ही विभाग और सरकार द्वारा उचित धनराशि का प्रावधान करके व्यवस्था की जाए तो इसके सार्थक परिणाम सामने आ सकते हैं। छात्रों में मोबाइल के दुरुपयोग की आदत को छुड़ाने की भी जरूरत है। उन्हें डिजीटल डिटॉक्स की अवधारणा से परिचित करवाया जाना चाहिए। प्राइमरी स्तर की शिक्षा से ही बच्चों के लिए नैतिक शिक्षा की पढ़ाई शुरू की जानी चाहिए।

तिलक सिंह सूर्यवंशी

छिलकों की छाबड़ी : रीढ़, पायदान व पदोन्नति

हो सकता है कि आप मुझसे पूछें कि रीढ़, पायदान और पदोन्नति का आपस में क्या सम्बन्ध है। तो साधो! सदी के लिजलिजे महानट के पिता डॉ. हरिवंश राय बच्चन ने अपनी कविता 'मैं हूँ उनके साथ, खड़ी जो सीधी रखते अपनी रीढ़' में रीढ़ सीधी रखने वालों की विशेषताओं का वर्णन किया है। लेकिन यह निर्विवाद सत्य है कि अगर रीढ़ की सिधाई पर कोई प्रश्नचिन्ह न होता तो डॉ. हरिवंश कभी यह कविता नहीं लिख पाते। हर युग में रीढ़ और पायदान भले एक-दूसरे के विलोम नजर आते रहे हों, पर सरकार में पदोन्नति लेने के लिए दोनों का सहोदर होना पहली शर्त है। अगर आप रीढ़विहीन हैं और हर सरकार में फुटमैट (पायदान) होने की शर्त को पूरा करते हैं तो सेवानिवृत्ति से कुछ दिन पहले भी रीढ़ दिव्यांगता की श्रेणी में विभाग के सर्वोच्च पद पर पदोन्नति पा सकते हैं। प्रकृति ने भी इसमें कोई लिंग भेद नहीं किया है। नर हो या नारी कोई फर्क नहीं पड़ता। बस आपको निर्लिप्त भाव से नेताओं और सीनियर्स के सामने बतौर पायदान बिछना होगा। कोई योग्यता न होने के बावजूद किसी विभाग का मुखिया होने के एवज़ में सौदा बुरा नहीं। सावरकर भी 15 बार माफी माँगने के बाद अंग्रेज़ों से साठ रूपल्ली की मासिक पैंशन पाने के हक़दार हुए थे। आज़ादी के अमृतकाल में यही सावरकर न केवल वीर हो गए हैं, बल्कि प्रासंगिक भी हो चुके हैं। पिछले हफ्ते झुन्नू लाल मुझे राजधानी के सचिवालय की सीढियों पर उदास मिले। मैंने उदासी का कारण पूछा तो बोले कि मैं बाबू से अपनी उस पदोन्नति के बारे में पूछने आया था जो पिछले महीने से ड्यू है। लेकिन उसने कहा कि पहले तुम्हारे उस सीनियर की प्रमोशन होगी जिसे डायरेक्टर बनाया जा रहा है। मैंने कहा कि कम से कम यह तो बता दें कि मेरे सारे पेपर्स आपके पास पहुँच गए हैं। इस पर बाबू बोला कि बाद में आना, अभी तो सरकार रिटायरमेंट से पहले मैडम को डायरेक्टर बनाने पर तुली है।

मैंने पूछा कि बनाने पर तुली है, इसका मतलब? बाबू बोला कि उसकी लियाक़त यही है कि उसने सारी उम्र राजधानी में काटी है। कभी फील्ड में नहीं रही। हर बार समय से पहले प्रमोशन लेना उसकी उपलब्धि है। झुन्नू लाल ने पूछा कि फिर मेरे साथ यह अन्याय क्यों? इस पर बाबू हँसते हुए बोला कि इसमें न्याय-अन्याय का प्रश्न ही कहाँ उठता है। बात तो तुम्हारी रीढ़ की है। क्या तुम आगे-पीछे एक सौ अस्सी डिग्री पर झूल सकते हो या तीन सौ साठ डिग्री दाएं-बाएं घूम सकते हो? अगर नहीं तो तुम्हारी प्रमोशन जब होगी, तब होगी। झुन्नू बोले कि मैं तीन सौ मील से आपके पास आया हूँ। दुबारा आना संभव न होगा। कम से कम इतना तो बता दें। बाबू गुस्से होते बोला, 'अभी मेरे पास समय नहीं। मैडम की प्रमोशन आज ही होगी। मुझे उनका केस तैयार करने दो।' झुन्नू लाल सहमते हुए बोले, 'मुझे भी यह तरीक़ा बता दें ताकि मैं भी देर से सही, प्रमोशन ले सकूं।' बाबू हँसते हुए बोला, 'अगर तुम में यह क़ाबिलियत होती तो क्यों सुदूर कबायली इलाक़े में अपनी ऐडियाँ रगड़ रहे होते। महकमे में इतने साल हो गए। कम से कम उनसे ही सीख लिया होता। उनकी नियुक्ति निक्कर वाली सरकार में हुई थी। लेकिन सरकार चाहे टोपी वाली हो या निक्कर वाली। हर सरकार में समय से पहले प्रमोशन होती रही। उनके बॉयोडाटा में हर बार समय से पूर्व प्रमोशन लेना ही उनकी एकमात्र योग्यता और उपलब्धि है। अगर इससे भी मन न भरे तो राज्य के मुख्य सचिव को देख लो। भारत सरकार के सचिवों के पैनल में न होने के बावजूद वह राज्य के मुख्य सचिव हैं। राजधानी आए ही हो तो उन सभी पदों पर नज़र मार लो, जहाँ ऐसे योग्य व्यक्ति राज्य की तरक्की के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। अगर मैंने तुम्हें कुछ ऊँच-नीच बोला हो तो मुझे क्षमा करना। पर अगर यही योग्यता मुझमें होती तो मैं आज सैक्शन ऑफिसर होने की बजाय ज्वाइंट सेक्रेटरी होता।'

पीए सिद्धार्थ

क्या स्पाइसजेट के सीएमडी को मिलेगी दिवालिया एयरलाइन गो फर्स्ट, बोली बढ़ाने के बाद जगी उम्मीद

परिवहन विशेष न्यूज

देश की बजट एयरलाइन गो फर्स्ट ने पिछले साल मई में दिवालिया होने का एलान किया था। उसके लेनदारों को दिवालियापन प्रक्रिया के तहत पिछले दिनों दो वित्तीय बोलियां मिली थीं। स्पाइसजेट के मैनेजिंग डायरेक्टर अजय सिंह और Busy Bee Airways ने मिलकर गो फर्स्ट के लिए 16 सौ करोड़ रुपये की बिड जमा की थी। अब बैंकों के अनुरोध पर उन्होंने अपनी बोली को बढ़ा दिया है।

मुंबई : पिछले दिनों भारत की दिवालिया एयरलाइन गो फर्स्ट (Go First) के रिवाइवल के लिए दो बोलियां मिली थीं। लेकिन, ये बिड लेंडर्स यानी गो फर्स्ट को कर्ज देने वाले बैंकों की उम्मीदों के मुताबिक नहीं थी। अब लेंडर्स के अनुरोध के बाद दो में से एक बिडर ने अपनी बोली की रकम बढ़ा दी है। यह जानकारी समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से दी है।

बिडर ने कितनी बढ़ाई बोली की रकम?

किफायती उड़ान सेवा देने वाली स्पाइसजेट के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर (CMD) अजय सिंह ने बिजी बी एयरवेज ने मिलकर गो फर्स्ट के लिए बोली लगाई है। इन्होंने पहले गो फर्स्ट के लिए करीब 16 अरब रुपये की बिड जमा की थी। लेकिन, बैंकों की गुजारिश के बाद दोनों कंपनियों ने अपनी बोली को 1 से डेढ़ अरब रुपये के बीच बढ़ा दिया है। बिजी बी के मेजॉरिटी शेयरहोल्डर निशांत पिट्टी ऑनलाइन ट्रैवल प्लेटफॉर्म EaseMyTrip के सीईओ हैं।

कब दिवालिया हुई थी गो फर्स्ट?

गो फर्स्ट ने पिछले साल मई में दिवालिया (bankruptcy) होने की अर्जी लगाई थी। इसकी दिवालिया प्रक्रिया के तहत दो वित्तीय बोलियां मिली हैं। दूसरी बोली शारजाह स्थित स्काई वन एयरवेज (Sky One Airways) थी। लेकिन, दोनों ही बिड कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स (CoC) की उम्मीदों से काफी कम थीं। इसमें भारी कटौती भी शामिल थी। यह वजह है कि बैंकों ने दोनों बिडर्स से कहा कि वे अपनी बोलियों को बढ़ाएं। गो फर्स्ट ने अपनी बैंकरप्सी फाइलिंग में बताया कि उसके लेनदारों की लिस्ट में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, IDBI बैंक और Deutsche बैंक शामिल हैं। इन सबका गो फर्स्ट पर 65 अरब रुपये से अधिक बकाया है।

लेनदार बैंक रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के जरिए स्काई वन के साथ बात कर रहे हैं कि वह भी अपनी बिड बढ़ाए। हालांकि, अभी तक उसकी ओर से कोई रिस्पॉन्स नहीं आया है।

अगले हफ्ते होगी लेनदारों की मीटिंग

अगले हफ्ते की शुरुआत में लेनदारों की मीटिंग होने वाली है। अगर स्काई वन से बिड बढ़ाने के बारे में कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिलती है, तो लेनदार स्पाइसजेट और बिजी बी की ज्वाइंट बिड पर ही चर्चा करेंगे। लेनदार बैंक इस महीने के आखिर तक बिडर्स को अपने फैसले के बारे में बता सकते हैं।

खाद्य पदार्थों की कीमतों के दबाव की वजह से महंगाई से नहीं मिल रही राहत, आरबीआई ने जारी किया मार्च बुलेटिन

भारतीय रिजर्व बैंक हर महीने बुलेटिन प्रकाशित करती है। आरबीआई का मार्च बुलेटिन जारी हो गया है। इस बलेटिन में State of Economy नाम के आर्टिकल में कहा गया है कि देश में खाद्य पदार्थ की कीमतों में तेजी ने महंगाई ने दर में 4 फीसदी से ज्यादा की गिरावट को रोक दिया है। आइए इस रिपोर्ट में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) मार्च बुलेटिन जारी कर दिया है। इस बुलेटिन में 'State of Economy' नाम के एक आर्टिकल में महंगाई दर में गिरावट को लेकर संकेत दिया है।

लेख में कहा गया कि खाद्य कीमतों की तेजी आने की वजह से खुदरा मुद्रास्फीति में गिरावट के आसार कम दिख रहे हैं। आरबीआई ने पहले खुदरा महंगाई दर में 4 फीसदी से ज्यादा की गिरावट का लक्ष्य रखा था जो अब दूर लग रही है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर से गिरावट पर है। फरवरी में 2024 में रिटेल इन्फ्लेशन 5.09 फीसदी थी। बता दें कि यह आर्टिकल आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा के नेतृत्व वाली टीम द्वारा लिखा गया है।

इस लेख में कहा गया कि

भले ही मुख्य महंगाई में व्यापक आधार पर नरमी के साथ महंगाई ढलान पर है। लघु आयाम वाले खाद्य मूल्य दबावों की बार-बार होने वाली घटनाएं हेडलाइन मुद्रास्फीति में 4 प्रतिशत के लक्ष्य की ओर तेजी से गिरावट को रोकती हैं।

इस लेख में आगे कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था गति खो रही है, कुछ सबसे लचीली अर्थव्यवस्थाओं में विकास धीमा हो रहा है और उच्च आवृत्ति संकेतक आने वाले समय में और अधिक स्तर की ओर इशारा कर रहे हैं।

भारत में, वित्तीय वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में वास्तविक जीडीपी ग्रोथ छह-तिमाही के उच्चतम स्तर पर थी। यह मजबूत गति, मजबूत अप्रत्यक्ष करों और कम सब्सिडी द्वारा संचालित थी।

लेख में कहा गया है कि हेल्थ कॉर्पोरेट और बैंक बैलेंस शीट आगे चलकर विकास को गति देने वाली ताकतें होंगी। केंद्रीय बैंक ने कहा कि बुलेटिन लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और यह भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

डीमेट अकाउंट का नहीं कर रहे इस्तेमाल, भरना पड़ेगा चार्ज, अकाउंट बंद करना है बेहतर ऑप्शन

स्टॉक मार्केट में निवेश के लिए Demat Account जरूरी है। अगर कोई अकाउंट होल्डर डीमैट अकाउंट ओपन करके इसका इस्तेमाल नहीं करते हैं तो उनका अकाउंट इनएक्टिव हो जाता है और उन्हें लगातार मेंटेनेंस फीस भी देनी होती है। मेंटेनेंस फीस जैसे अनावश्यक खर्चों से बचने के लिए डीमैट अकाउंट को बंद करना एक अच्छा ऑप्शन है। इस आर्टिकल में जानते हैं कि डीमैट अकाउंट को कैसे बंद करें।

नई दिल्ली। शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड (Mutual Fund) में निवेश के लिए डीमैट अकाउंट (Demat Account) का होना अनिवार्य है। बिना डीमैट अकाउंट के इसमें निवेश नहीं कर सकते हैं। अगर निवेशक डीमैट अकाउंट का इस्तेमाल काफी समय से नहीं करता है तो उसका अकाउंट बंद हो सकता है।

अकाउंट अगर एक्टिव नहीं है फिर भी निवेशक को मेंटेनेंस फीस का भुगतान करना होगा। अगर आप भी लॉन्ग टर्म से डीमैट अकाउंट का इस्तेमाल नहीं करते हैं तो आपको मेंटेनेंस फीस जैसे अनावश्यक खर्चों से बचने के लिए इसे बंद करवा देना चाहिए।

कितने समय के बाद बंद हो जाता है डीमैट अकाउंट

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) के नियमों के अनुसार अगर 12 महीने यानी कि 1 साल तक ट्रेडिंग अकाउंट (Trading Account) से किसी भी प्रकार की कोई ट्रेड नहीं होता है तो अकाउंट इनएक्टिव हो जाता है। स्टॉक ब्रोकर उस ट्रेडिंग या डीमैट अकाउंट को निष्क्रिय कर देता है। बता दें कि एनएसई द्वारा बनाए गए नियम अन्य स्टॉक एक्सचेंज पर भी लागू होते हैं।

डीमैट अकाउंट के निष्क्रिय हो जाने के बाद भी अकाउंट होल्डर को अकाउंट मेंटेनेंस चार्ज का भुगतान करना होता है। इस तरह के अनावश्यक खर्चों से बचने के लिए कई एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि अगर डीमैट अकाउंट का इस्तेमाल नहीं हो रहा है तो अकाउंट को बंद कर दिया जाए।

डीमैट अकाउंट कैसे बंद करें

अगर डीमैट अकाउंट में शेयर हैं तो या तो उसे बेच दें या फिर दूसरे डीमैट अकाउंट में ट्रांसफर कर दें। इसके बाद जो भी चार्ज या फिर फीस का भुगतान नहीं किया है उनका भुगतान करके अकाउंट सेटलमेंट करें।

अब डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट (डीपी) से अकाउंट क्लोजर फॉर्म लें और उस फॉर्म को भरें। इस फॉर्म के साथ आपको पैन कार्ड (Pan Card), एड्रेस प्रूफ और आईडी-प्रूफ जैसे डॉक्यूमेंट को अटैच करना होगा। अब डॉक्यूमेंट को सबमिट करने के बाद क्लोजिंग प्रोसेस हो जाएगा।

दोबारा डीमैट अकाउंट कैसे एक्टिवेट करें

अगर डीमैट अकाउंट बंद हो जाता है तो उसे दोबारा एक्टिव करने के लिए स्टॉक ब्रोकर को कॉल या ईमेल करके रिक्वेस्ट करना होगा। आपको अकाउंट को दोबारा एक्टिव करने का रिक्वेस्ट देना होगा। रिक्वेस्ट एक्सेप्ट करने के बाद आपको ओटीपी (OTP) वेरिफिकेशन होगा।

अगर अकाउंट 24 महीने यानी 2 साल से ज्यादा तक डीमैट अकाउंट बंद है तब आपको केवाईसी और इन-पर्सन वेरिफिकेशन करवाना पड़ सकता है।

इनसाइड

NSC या 5 साल के लिए एफडी, टैक्स बचाने के लिए कौन सा है बेहतर विकल्प?

अगर आप मौजूदा वित्त वर्ष में टैक्स बचाने के लिए निवेश करना चाहते हैं तो आपके पास ज्यादा समय नहीं है। आपको 1 अप्रैल यानी नया वित्त वर्ष शुरू होने से पहले निवेश करके उसका प्रूफ दिखाना होगा तभी टैक्स छूट मिलेगी। अगर आपने अभी तक इन्वेस्टमेंट का प्लान नहीं किया है तो हम आपको टैक्स बचाने वाली कुछ योजनाओं के बारे में बता रहे हैं।

नई दिल्ली। अब वित्त वर्ष 2023-24 खत्म होने में ज्यादा वक्त नहीं बचा है। अगर आप निवेश करके टैक्स बचाना चाहते हैं, तो आपको मार्च खत्म होने से पहले निवेश करना होगा, क्योंकि 1 अप्रैल से नया वित्त वर्ष शुरू हो जाएगा। अगर आप भी निवेश करके टैक्स बचाना चाहते हैं, तो आपको दो शानदार स्कीमों के बारे में बता रहे हैं।

FD से पैसे बढ़ेंगे, टैक्स भी बचेगा

सभी बैंक अपने कस्टमर को टैक्स सेविंग FD (फिक्स्ड डिपॉजिट) का विकल्प देते हैं। इनमें सरकारी SBI से लेकर HDFC जैसे निजी बैंक भी शामिल हैं। इसमें बैंक और FD की अवधि के हिसाब से 6-8 फीसदी का ब्याज मिलता है। सबसे अधिक ब्याज 5 साल की FD पर मिलता है।

इनकम टैक्स की धारा 80सी के तहत 5 साल की FD पर कस्टमर को सालाना डेढ़ लाख रुपये तक की छूट मिलती है। अगर आप सीनियर सिटीजन हैं, तो आपको FD पर अतिरिक्त ब्याज भी मिलता है।

जारी हो गए सोने-चांदी के नए रेट, ताजा कीमत

परिवहन विशेष न्यूज

सोने-चांदी की कीमतों में नरमी का कई लोग इंतजार कर रहे हैं। आज वायदा कारोबारा में कम मांग की वजह से गोल्ड और सिल्वर की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। आज नई दिल्ली में अगर आप भी गोल्ड या सिल्वर खरीदने के लिए जा रहे हैं तो आपको एक बार अपने शहर के सोने की कीमत को जरूर चेक करना चाहिए।

नई दिल्ली। 19 मार्च 2024 को भी सोने-चांदी की कीमतों में कोई नरमी नहीं आई है। हालांकि मांग की कमी की वजह से वायदा कारोबार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है।

आपको गोल्ड खरीदने से पहले एक बार अपने शहर के साथ बाकी शहर के भी सोने की कीमत को चेक करना चाहिए।

क्या है आपके शहर में गोल्ड प्राइस

गुड रिटर्न वेबसाइट के मुताबिक आपके शहर में पेट्रोल और डीजल के रेट्स-

दिल्ली में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 66,480 रुपये पर है।

मुंबई में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 66,330 रुपये पर है।

कोलकाता में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 66,330 रुपये पर है।

चेन्नई में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 66,930 रुपये पर है।

हैदराबाद में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 66,330 रुपये पर है।

चंडीगढ़ में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 66,480 रुपये पर है।

जयपुर में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 66,480 रुपये पर है।

पटना में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम 66,380 रुपये पर है।

लखनऊ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 66,480 रुपये पर है।

नागपुर में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 66,330 रुपये पर है।

सूरत में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 66,380 रुपये पर है।

पुणे में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 66,330 रुपये पर है।

केरल में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 66,330 रुपये पर है।

बेंगलुरु में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 66,330 रुपये पर है।

वायदा कारोबार में गोल्ड और सिल्वर

वायदा कारोबार में मंगलवार को सोने की कीमत 68 रुपये गिरकर 65,540 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर, अप्रैल डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 68 रुपये या 0.1 प्रतिशत की गिरावट के साथ 65,540 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 13,045 लॉट का कारोबार हुआ।

मंगलवार को चांदी की कीमत 176 रुपये गिरकर 75,320 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में, मई डिलीवरी के लिए चांदी अनुबंध 176 रुपये या 0.23 प्रतिशत गिरकर 75,320 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया, जिसमें 25,948 लॉट का कारोबार हुआ।

बैंक ऑफ इंडिया ने एसबीआई और एचडीएफसी बैंक से भी सस्ता किया होम लोन, ब्याज दरों में हुई कटौती

परिवहन विशेष न्यूज

Bank Of India ने दावा किया कि 8.3 प्रतिशत पर यह अपने साथियों के बीच सबसे कम दर है। एसबीआई और एचडीएफसी बैंक जो उद्योग के अग्रणी हैं इनकी ओर से सबसे कम दर 8.4 प्रतिशत से शुरू होती है। इसमें कहा गया है कि यह ऑफर 31 मार्च तक वैध है। आइए पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। पब्लिक सेक्टर की लेंडर Bank Of India ने आज यानी मंगलवार को Home Loan पर लगने वाले ब्याज को घटाने की घोषणा की है। बैंक ऑफ इंडिया ने होम लोन पर लगने वाली 8.45 प्रतिशत की ब्याज दर को घटाकर 8.3 प्रतिशत कर दिया है।

इसके अलावा बैंक की ओर से प्रोसेसिंग फीस भी पूरी तरह से माफ कर दी गई है। आइए, पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

BOI देगा सबसे सस्ता Home Loan

बैंक ने दावा किया कि 8.3 प्रतिशत पर, यह अपने साथियों के बीच सबसे कम दर है। एसबीआई और एचडीएफसी बैंक, जो उद्योग के अग्रणी हैं, इनकी ओर से सबसे कम दर 8.4 प्रतिशत से शुरू होती है। इसमें कहा गया है कि यह ऑफर 31 मार्च तक वैध है।

सौर पैनल के लिए स्पेशल ऑफर

बैंक ने यह भी कहा कि वह छत पर सौर पैनलों के लिए 7 प्रतिशत ब्याज दर और बिना किसी प्रोसेसिंग शुल्क के विशेष वित्तपोषण की पेशकश कर रहा है। 8.3 प्रतिशत पर, 30 साल की अवधि के होम लोन की शुरुआती ईएमआई 755 रुपये प्रति माह प्रति लाख होगी।

इसके अलावा बैंक की ओर से लोन पैकेज को ओवरड्राफ्ट सुविधा के साथ और बढ़ाया गया है, जो घर खरीदारों के लिए एक लचीली और व्यापक वित्तीय सहायता प्रणाली प्रदान करता है।

जापान के केंद्रीय बैंक ने 17 साल बाद ब्याज दरों में किया इजाफा, जानिए भारत पर क्या होगा इसका असर

परिवहन विशेष न्यूज

बैंक ऑफ जापान ने 17 साल में पहली बार अपनी प्रमुख ब्याज दरों में इजाफा किया है। अब जापान की अल्पकालिक ब्याज दर 0.1 फीसदी हो गई है जो पहले माइनस 0.1 फीसदी थी। बैंक ऑफ जापान दुनिया का आखिरी सेंट्रल बैंक था जिसकी ब्याज माइनस में थी। जानिए बैंक ऑफ जापान ने ब्याज दरों में क्यों बदलाव किया और इसका भारत जैसे देशों पर क्या प्रभाव होगा।

नई दिल्ली। जापान ने आर्थिक तौर पर एक ऐतिहासिक फैसला किया है। वहां के केंद्रीय बैंक- बैंक ऑफ जापान (Bank of Japan- BOJ) ने 17 साल बाद अपनी प्रमुख ब्याज दरों में इजाफा किया है। अब जापान की अल्पकालिक ब्याज दर 0.1 फीसदी हो गई है, जो पहले माइनस 0.1 फीसदी थी।

आखिरी बार 2007 में बढ़ी थी ब्याज दर

बैंक ऑफ जापान ने इससे पहले आखिरी बार फरवरी 2007 में अपनी ब्याज दरों में इजाफा किया था। उसके बाद से इसमें लगातार कमी ही गई। आठ साल पहले यह माइनस में पहुंच गई और अभी तक माइनस में ही थी। बैंक ऑफ जापान दुनिया का इकलौता सेंट्रल बैंक था, जिसकी प्रमुख ब्याज दर माइनस में थी। लेकिन, अब यह भी पॉजिटिव हो गई।

भारत पर क्या असर होगा?

जापान में ब्याज दर माइनस में होने से वहां के निवेशक उन देशों में पैसे लगाते थे, जहां उन्हें अच्छा रिटर्न मिलता था। इनमें भारत भी शामिल था। अब जापान में ब्याज दर बढ़ने से जापानी निवेशक वापस अपने देश का रुख कर सकते हैं और वहां निवेश बढ़ा सकते हैं। ऐसे में भारत जैसे देशों के लिए हालात थोड़े मुश्किल हो सकते हैं, जो जापानी निवेशकों से सस्ती दरों पर कर्ज लेते थे। हालांकि, अभी भी जापान में ब्याज दरों में वृद्धि बेहद मामूली है और यह कई अन्य देशों के मुकाबले काफी कम है।

बैंक ऑफ जापान ने क्यों बढ़ाई ब्याज दर?

जापान पिछले कुछ समय से आर्थिक मोर्चे पर बड़ी चुनौतियों से जूझ रहा है। इस साल वह आर्थिक मंदी की चपेट में भी आया और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों की लिस्ट में तीसरे नंबर से फिसलकर चौथे पर पहुंच गया। इस लिस्ट में 4.2 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी वाले जापान को 4.5 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी साइज वाले जर्मनी ने पछाड़ा।

बीती दो तिमाहियों से जापान की जीडीपी में भी गिरावट आई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले जापानी करेंसी येन की वैल्यू भी घटी। इन सबके चलते जापान ने अपनी आर्थिक नीति में बदलाव का फैसला किया है।

अपस्फीति से मुद्रास्फीति की ओर जापान

बैंक ऑफ जापान ने दो फीसदी मुद्रास्फीति (Inflation) का लक्ष्य रखा था। इससे संकेत मिला था कि जापान आखिर अपस्फीति यानी Deflation से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा है। अपस्फीति असल में मुद्रास्फीति के ठीक उलट स्थिति होती है। मुद्रास्फीति बढ़ने का मतलब जहां चीजों का दाम बढ़ना होता है, वहीं अपस्फीति के ट्रेंड में कीमतें जरूरत से ज्यादा कम होने लगती हैं।

बैंक ऑफ जापान के गवर्नर काजुओ उएदा (Kazuo Ueda) ने कहा था कि अगर हम दो फीसदी के मुद्रास्फीति के लक्ष्य को हासिल कर लेते हैं, तो नकारात्मक ब्याज दर की समीक्षा की जाएगी। इस साल जनवरी में जापान की मुद्रास्फीति 2.2 फीसदी रही थी।

अंबानी और अदाणी के अलावा टॉप-10 अमीरों की लिस्ट में ये भी हैं शामिल, जानिए किसकी कितनी है नेट वर्थ

Indias richest People देश के सबसे अमीरों की लिस्ट में भारत के कई दिग्गज उद्योगपति शामिल है। फोर्ब्स (Forbes) ने हाल में भारत के सबसे अमीरों की लिस्ट जारी की। इस लिस्ट के अनुसार मुकेश अंबानी देश के सबसे अमीर व्यक्ति में टॉप-1 पर हैं और गौतम अदाणी दूसरे पायदान पर हैं। इस आर्टिकल में जानते हैं कि देश के टॉप-10 अमीर व्यक्ति कौन-कौन हैं।

नई दिल्ली। फोर्ब्स ने भारत के अमीरों की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में गौतम अदाणी दूसरे पायदान पर हैं और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी पहले स्थान पर हैं।

इनके अलावा टॉप-10 अमीरों की लिस्ट में शिव नाडर, सावित्री जिंदल जैसे कई लोग शामिल हैं। आइए जानते हैं कि Forbes' Real-Time Billionaires लिस्ट में भारत के टॉप-10 अमीरों की लिस्ट में किसका कौन-सा स्थान है।

देश के टॉप-10 अमीर व्यक्ति कौन है

देश के सबसे अमीर व्यक्ति के टॉप पर मुकेश अंबानी है। यह ग्लोबल रैंकिंग में 10वें स्थान पर हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख मुकेश अंबानी की नेट वर्थ 113.9 बिलियन डॉलर है।

अदाणी ग्रुप (Adani Group) के चेयरमैन गौतम अदाणी (Gautam Adani) की नेट वर्थ 80.2 बिलियन डॉलर है। यह भारत के दूसरे और दुनिया के 17वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

HCL Technologies के मालिक शिव नाडर भारत के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति हैं। इनकी नेट वर्थ 36.9 बिलियन डॉलर है। ग्लोबल रैंकिंग में यह 39वें पायदान पर हैं।

JSW Group की चेयरमैन सावित्री जिंदल एंड फैमिली भारत की चौथी सबसे अमीर महिला है। यह टॉप-10 अमीरों की लिस्ट में इकलौती महिला है। इनकी नेट वर्थ 32.4 बिलियन डॉलर है। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में यह 50वें नंबर पर है।

Sun PharmaCeutical Industries Ltd के प्रमुख दिलीप सांघवी के पास 26.0 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति है। यह देश के 5वें और दुनिया के 71वें सबसे अमीर व्यक्ति है।

Serum Institute of India के चेयरमैन साइरस पूनावाला की नेट वर्थ 21.5 बिलियन डॉलर है। यह भारत के छठे अमीर व्यक्ति और दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 87 वें पायदान पर हैं।

आदित्य बिड़ला ग्रुप के मालिक कुमार मंगलम बिड़ला देश के 7वें स्थान पर और दुनिया के 97 वें अमीर व्यक्ति है। इनकी नेट वर्थ 19.3 बिलियन डॉलर है।

DLF लिमिटेड के चेयरमैन कुशाल पाल सिंह की नेट वर्थ 19.0 बिलियन डॉलर है। यह देश के 8वें और ग्लोबल में अमीरों की लिस्ट में 98 वें नंबर पर हैं।

D'Mart, Avenue Supermarts के चेयरमैन राधाकृष्णन दमानी की नेटवर्थ 17.9 बिलियन डॉलर है। यह देश के अमीरों की लिस्ट में 9वें स्थान पर हैं और दुनिया के अमीर व्यक्तियों की लिस्ट में 103 नंबर पर हैं।

ArcelorMittal के मालिक लक्ष्मी मित्तल भारत के अमीर व्यक्तियों की लिस्ट टॉप-10 पर हैं। इनकी नेट वर्थ 16.6 बिलियन डॉलर है। दुनिया के अमीर व्यक्ति की लिस्ट में यह 109 पायदान पर हैं।

सिद्धू ने राजनीति से मुंह मोडा, किक्रेट कमेंट्री से एक बार फिर नाता जोडा

परिवहन विशेष न्यूज

एस.डी.सेठी। पूर्व क्रिकेटर, नवजोत सिंह सिद्धू ने राजनीति की पिच से मुंह मोड़ते हुए एक बार फिर क्रिकेट कॉमेटरी से नाता जोड लिया है। वह इस साल मार्च-2024 से शुरू होने जा रहे आईपीएल मैंच के पहले मैच 22 मार्च से कॉमेंटरी बॉक्स में कमेंट्री देते नजर आएगें। इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल - मीडिया में ' सरदार ऑफ कमेंट्री बॉक्स इस कम बैक' लिखकर दी। कमेंट्री बॉक्स में आने की वजह मे नवजोत सिद्धू ने बताया कि राजनीति कड़वाहट के असर को बे असर करने के लिए एक बार फिर से पिच और बैट बॉल के बीच मौजूद रहूंगा।

वहीं सिद्धू ने फाईनेंशियली नुकसान की भरपाई भी वजह बताया ।बता दें कि गत 15 मार्च को पंजाब के राज्यपाल बीएल पुरोहित से मिले थे। तब उन्होने लोकसभा चुनाव में शिरकत नहीं करने का खुलासा किया था। हालांकि वह अमृतसर सीट से बीजेपी के सांसद रह चुके है। उल्लेखनीय है कि राजनीति में आने से पहले नवजोत सिंह सिद्धू 1983 से 1999 तक क्रिकेट के मैदान में शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं। उन्होने उस दौरान 51 टेस्ट मैच और 136 एक दिवसीय मैच खेले। उन्होने क्रिकेट इतिहास में अच्छा नाम कमाया है। लेकिन राजनीतिक पिच पर उन्होंने कोई भी रिकार्ड नहीं बनाया, उल्टे गवाया ।

भारतीय मजदुर संघ ने प्रधानमंत्री के पास लगाई गुहार...

सुरक्षा उपायों की कमी के कारण मजदूरों के साथ लगातार हो रही जानलेवा दुर्घटनाएं।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। यह गंभीर चिंता का विषय है कि इस तथ्य के बावजूद कि व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य (ओएसएच) से संबंधित कानून के अनुसार, नियोक्ताओं की अपने कर्मचारियों/श्रमिकों को एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्यस्थल प्रदान करने की जिम्मेदारी है। यह कार्यस्थल को गंभीर मान्यता प्राप्त खतरों से बचाने और ओएसएच अधिनियम के तहत जारी मानकों, नियमों और विनियमों का अनुपालन करने की प्रमुख नियोक्ता जिम्मेदारी का एक संक्षिप्त सारांश है, लेकिन इस तथ्य के बावजूद, लगातार घातक आग और अन्य घातक दुर्घटनाएं हो रही हैं लेकिन नहीं दिल्ली सरकार द्वारा सुधारात्मक कदम उठाया गया है, जो दर्शाता है कि सरकारी अधिकारियों ने कोई सबक नहीं सीखा है और इन अनधिकृत कारखानों में इतने बड़े पैमाने पर दुर्घटनाएँ हो रही हैं।

महोदय, हमारी चिंता इस बात से और भी बढ़ गई है कि इनमें से किसी भी जगह (जहां ऐसी दुर्घटनाएं हुई हैं) के पास अग्निशमन विभाग से अनिवार्य एनओसी नहीं है, लेकिन यह उनके लिए निवारक साबित नहीं हुआ है क्योंकि वे अन्य सरकारी अधिकारियों के साथ मिलीभगत करते हैं और बिना किसी बाधा के काम करते हैं।.

सर, आप हमारी बात से सहमत होंगे कि अग्निशमन विभाग के आधिकारिक आंकड़ों से पता चला है कि 2022-23 में हर साल लगभग 400 आग लगने की घटनाएं हुईं और जनवरी 2024 के महीने में फैक्ट्री में आग लगने और मानदंडों के उल्लंघन के 50 से अधिक मामले सामने आए। यह आम बात है कि अधिकांश फ़ैक्टरियाँ आवासीय प्रयोजन के लिए बनाई गई या बनाई गई संरचनाओं में संचालित होती हैं, जो औद्योगिक गतिविधि के लिए सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं करती हैं और यह उल्लंघन बड़े पैमाने पर होता है।

इतना ही नहीं, बड़ी संख्या में परजीवी और अन्य खतरनाक रसायनों से निपटने वाले कारखानों/गोदामों को आवासीय कॉलोनियों से संचालित किया जा रहा है और इन अवैध कारखानों के श्रमिकों को मानकीकृत सुरक्षा उपकरण प्रदान किए बिना सबसे खतरनाक रसायनों के सीधे संपर्क में काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। श्रमिकों के लिए और ऐसा करके ये अवैध फैक्ट्री मालिक श्रमिकों और आसपास के निवासियों के लिए जान का खतरा पैदा कर रहे हैं।

यदि हम दिसंबर 2019 की घटना का उदाहरण लें, जिसमें सदर बाजार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली अनाद मंडी में एक अवैध फैक्ट्री में आग लगने की घटना में कम से कम 43 मजदूरों की मौत हो गई और दिल्ली सरकार ने बवाना में एक फैक्ट्री में भीषण आग लगने से कोई सबक नहीं लिया। वर्ष 2018 में औद्योगिक क्षेत्र में जहां 17 लोगों की मौत हो गई थी और लगभग 50 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। महोदय, आग और अन्य घातक दुर्घटनाओं के अधिकांश मामले औद्योगिक इकाइयों के अंदर आग और अन्य सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं होने और सरकारी अधिकारियों द्वारा कोई जांच नहीं होने के कारण हो रहे हैं।

महोदय, आप इस बात की सराहना करेंगे कि फैक्ट्री अधिनियम, 1948 और दिल्ली राज्य फैक्ट्री अधिनियम 1950, खतरनाक रासायनिक नियमों के निर्माण, भंडारण और आयात के प्रावधानों को लागू करना औद्योगिक सुरक्षा और स्वास्थ्य निदेशालय (डीआईएसएच) की एकमात्र जिम्मेदारी है। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत 1989, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत रासायनिक दुर्घटनाएं (आपातकालीन योजना तैयारी और प्रतिक्रिया) नियम, 1996 और भवन और अन्य निर्माण श्रमिक (आरई और सीएस) अधिनियम 1996 और दिल्ली बीओसीडब्ल्यू नियम 2002। अधिकारी यह निदेशालय इन औद्योगिक इकाइयों पर नजर रखने के लिए जिलावार स्थानीय संकट समूहस बनाने के लिए भी संवैधानिक रूप से जिम्मेदार है।

महोदय, यह निदेशालय पंजीकृत कारखानों के साथ-साथ जिलों में खतरनाक प्रक्रिया/खतरनाक संचालन वाले कारखानों की सूची तैयार करने और बनाए रखने और सभी कारखानों के आवधिक निरीक्षण सहित सभी शिकायतों/दुर्घटनाओं और खतरनाक घटनाओं की जांच के लिए भी है। प्राथमिकता के आधार पर, लेकिन इन अवैध इकाइयों के संचालन को रोकने के लिए DISH द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है, जो कि कानून का प्रत्यक्ष उपहास है क्योंकि निदेशालय अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने में बुरी तरह विफल रहा है।

महोदय, इतना ही नहीं लाइसेंस जारी करने वाले अधिकारियों द्वारा लिफ्ट लाइसेंस पर भी कोई जांच नहीं की जाती है और कारखानों, वाणिज्यिक परिसरों, होटलों और आवासीय सोसायटियों में स्थापित अधिकांश लिफ्ट उचित रखरखाव के बिना चल रही हैं, यहां तक कि लिफ्ट लाइसेंसिंग द्वारा वैध लाइसेंस के बिना भी चल रही हैं। प्राधिकरण, जिसके परिणामस्वरूप हाल ही में लिफ्ट दुर्घटनाओं के लगातार मामले भी सामने आए हैं।

इस संबंध में हम औद्योगिक सुरक्षा और स्वास्थ्य निदेशालय के तत्काल कायाकल्प और राज्य व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सलाहकार बोर्ड/जिला स्तरीय तकनीकी और सलाहकार समितियों का गठन करने की मांग करते हैं, जिसमें हितधारकों यानी केंद्रीय व्यापार संघों का उचित प्रतिनिधित्व शामिल हो।

यदि आप संबंधित अधिकारियों को सभी हितधारकों (केंद्रीय ट्रेड यूनियनों) की एक बैठक बुलाने का निर्देश देते हैं तो हम आपके आभारी होंगे, जिससे हम इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा कर सकें।

इस संबंध में तत्काल कार्रवाई की अत्यधिक सराहना की जाएगी।

धन्यवाद,

क्या कांग्रेस के टिकट पर नेहा राठौर देंगी मनोज तिवारी को टक्कर? सोशल मीडिया पर तेज हुई चर्चा

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने मंगलवार को एक सवाल के जवाब में बताया कि उन्हें इस तरह की कोई जानकारी नहीं है, लेकिन यदि पार्टी इस तरह का कोई निर्णय लेती है तो वे इसका स्वागत करेंगे...

नई दिल्ली। भोजपुरी के सुपरस्टार गायक और अभिनेता मनोज तिवारी इस समय भाजपा के लोकसभा सांसद हैं। पार्टी ने उन्हें लगातार तीसरी बार उत्तर पूर्वी दिल्ली की लोकसभा सीट पर चुनाव मैदान में उतारा है। भाजपा को भरोसा है कि पूर्वांचली लोगों के दिलों में बसे इस अभिनेता-गायक को एक बार फिर जनता का प्यार मिलेगा और वे पार्टी के लिए उत्तर पूर्वी की सीट पर जीत दिला सकते हैं। लेकिन इस चुनाव में मनोज तिवारी की जीत की राह कुछ कठिन हो सकती है, क्योंकि चर्चा है कि कांग्रेस मनोज तिवारी के सामने एक और भोजपुरी गायिका नेहा सिंह राठौर को उतारने की योजना बना रही है। यदि ऐसा होता है तो उत्तर पूर्वी दिल्ली की लोकसभा सीट पर लड़ाई बहुत रोचक हो सकती है।

क्यों तेज हुई चर्चा?

दरअसल, नेहा सिंह राठौर ने अपने एक्स हैंडल पर मनोज तिवारी के गानों को लेकर कुछ टिप्पणी कर दी। उन्होंने मनोज तिवारी का एक गाना ट्वीट करते हुए आरोप लगाया कि उनके गानों में महिलाओं के लिए सम्मान नहीं है। उन्होंने भाजपा से भी अपने इस नेता पर संज्ञान लेने को कहा।

चूंकि, इसके पहले भाजपा के आसनसोल से उम्मीदवार पवन सिंह ने अपने एक विवादित गाने के कारण अपनी उम्मीदवारी वापस लेने की घोषणा कर दी थी, माना जा रहा है कि नेहा सिंह राठौर उसी तरह का दबाव बनाकर मनोज तिवारी को चुनौती दे रही थीं। लेकिन शीघ्र ही सोशल मीडिया में यह चर्चा चलने लगी कि कांग्रेस नेहा सिंह राठौर को मनोज तिवारी के सामने उत्तर पूर्वी दिल्ली से लोकसभा उम्मीदवार बनाना चाहती हैं। यही कारण है कि वे मनोज तिवारी पर ऐसे आरोप लगा रही हैं।

क्या कांग्रेस उम्मीदवार बनाएगी?

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने मंगलवार को एक सवाल के जवाब में बताया कि उन्हें इस तरह की कोई जानकारी नहीं है, लेकिन यदि पार्टी इस तरह का कोई निर्णय लेती है तो वे इसका स्वागत करेंगे। इसके पहले उत्तर पूर्वी दिल्ली से खुद अरविंदर सिंह लवली को ही कांग्रेस के संभावित उम्मीदवार के तौर पर देखा जा रहा था। लेकिन बाद में उन्होंने चुनाव में उतरने से इनकार कर दिया। अमर उजाला के सवाल पर लवली ने कहा कि उनके पास पार्टी की कई अन्य जिम्मेदारियां हैं। उन्हें अपनी पार्टी के तीन उम्मीदवारों को जिताने के साथ-साथ इंडिया गठबंधन के नेताओं को जीत दिलाने का प्रयास करने की भी जिम्मेदारी है। लेकिन यदि पार्टी उन्हें कोई आदेश देती है, तो वे चुनाव में उतरने से इनकार नहीं करेंगे।

दिल्ली का दूसरा क्नॉट प्लेस बनेगा कमला मार्केट

परिवहन विशेष।एस.डी.सेठी। दिल्ली यूनिवर्सिटी से सटे इलाके की कमला मार्केट को पुरानी दिल्ली के क्नॉट प्लेस में तब्दील करने की प्लानिंग पर काम शुरू हो गया है। 70 साल पुरानी कमला मार्केट के अब दिन बदलने वाले हैं। बता दें कि भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ.राजेंद्र प्रसाद ने 29 नवंबर 1951 में इस मार्केट का उद्घाटन किया था। उसके बाद 1992 में मार्केट आम लोगो के लिए शुरू की गई थी। बता दें कि कमला मार्केट में करीब 275 दुकाने है।प्राप्त जानकारी के मुताबिक यह बाजार बंटवारे के बाद पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए शरणार्थियों को आजीविका प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया था। बदलते वक्त के साथ मार्केट से सटी दिल्ली यूनिवर्सिटी के होने से तमाम स्टूडेंट्स के लिए खरीदारी से लेकर बेहतर रेस्टोरेंट के अलावा तमाम पुस्तके तक यहा उपलब्ध हैं। किफायती रेट और फैशन हब से सराबोर दिल्ली विश्वविद्यालय की वजह से से यह इलाका रात-भर आबाद रहता है।इन्हीं सारी विशेषता- ओ के चलते ही दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने कमला मार्केट को संवारने का आदेश दिया है।इस बावत एलजी वीके सक्सेना ने पिछले दिनों कमला मार्केट का दौरा कर जायजा लिया था।इस दौरान उनके साथ दिल्ली नगर निगम के आयुक्त ज्ञानेश भारती भी मौजूद थे। इस आदेश के तहत वास्तुकार विभाग ने एक कार्य योजना बनाई और उसके आधार पर यहां सुधार कार्यो के शुरू करने की तैयारी की है।दिल्ली नगर निगम कमला मार्केट में 72 साल पुराने घंटाकार को पुनर्स्थापित करने और उसका जीर्णोद्धार करने की योजना बना रहा है।घंटाकार के जीर्णोद्धार से बाजार की सुन्दरता तो बढेगी ही साथ ही ये पुराना घंटाघर भी पुनर्जीवित हो जाएगा। इसके लिए बजट भी निर्धारित कर दिया गया है। वहीं यहां हुए अतिक्रमण, पार्किंग, और ट्रैफिक जाम की समस्या को भी दूर किया जाएगा।क्नॉट प्लेस की तरह सडकों पर लाइटिंग की व्यवस्था की जाएगी। यही नहीं ,यहां मौजूद सभी दुकानो के साइनबोर्ड को भी एक रंग और साइज में तैयार किया जाएगा।

चुनाव आयोग ने जयहिंद नेशनल पार्टी को दिया बाँसुरी चुनाव चिन्ह -डॉ.राजीव मिश्रा सांसद प्रत्याशी गौतमबुद्ध नगर लोकसभा

परिवहन विशेषन्यूज

जेवर। जयहिंद नेशनल पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ.राजीव मिश्रा ने गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सांसद प्रत्याशी घोषित होने के पश्चात, चुनाव आयोग द्वारा पार्टी को चुनाव चिन्ह बाँसुरी देने पर हर्ष व्यक्त किया 1 डॉ. राजीव मिश्रा ने अपने पांचों विधानसभाओं नोयडा, दादरी, सिकंदराबाद, जेवर एवं खुर्जा में माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आशीष श्रीवास्तव जी के साथ जनसंपर्क एवं सभाएं की1 आज श्री बांके विहारी लाल, वृंदावन धाम के दर्शन कर वापस आते समय जेवर में एक जनसभा में उन्होंने अपने चुनाव चिन्ह बाँसुरी को आम जनता एवं प्रेस मीडिया के समक्ष प्रस्तुत किया1

वहाँ के पदाधिकारियों एवं जनता ने डॉ.राजीव मिश्रा का स्वागत माल्यार्पण और शॉल ओढ़ा कर किया।

सभी ने डॉ राजीव मिश्रा जी को शुभकामनाएं दी और चुनाव चिन्ह बाँसुरी पर ही वोट देकर समर्थन देने का आश्वासन दिया1

सांसद प्रत्याशी डॉ.राजीव मिश्रा जी ने हाथ में बाँसुरी लेकर संबोधन प्रारम्भ किया, उन्होंने सभी को विश्वास दिलाया कि वह जनता के भरोसे पर खरे उतरने के लिये प्रतिदिन काम करेंगे।

डॉ. राजीव ने यहाँ के वर्तमान सांसद को खुले मंच पर जनता के सामने अपने प्रश्नों के उत्तर देने का आग्रह किया1

डॉ महेश शर्मा जी हमारे वर्तमान जनप्रतिनिधि हैं पिछले दो कार्यकाल में उनके निजी अस्पताल पर अस्पताल बनते चले गए 10 वर्षों में, लेकिन जनता को क्या मिला ?

एक भी सरकारी राज्य स्तरीय अस्पताल न होने पर सभी को इनके निजी अस्पताल में भर्ती हो कर मोटी रकम देनी पड़ती है1

अपने क्षेत्र के किसानों की समस्याओं का हल आज तक 10 साल में करा नहीं पाए, अब 3 सदस्यीय कमेटी बनाकर मुद्दे टाल दिए गए हैं।

फ्लैट खरीदार ठगा गया सांसद जी लगातार 10 साल तक मौन साधे रहे क्यों ?

एक भी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट नहीं लगवा सके पूरे गौतमबुद्ध बुद्ध नगर लोकसभा में, जिसमें नोयडा जहां घनी आबादी बनी है और लोग खराब पानी पीकर उनके अस्पताल में भर्ती होते हैं। नोएडा से गुजरने बाले नालों की दुर्गन्ध खतरनाक स्तर पर जा चुकी हैं नाले साफ होते नहीं हैं लेकिन निजी अस्पताल दर अस्पताल बना दिये। काश प्राधिकरण पर दबाब बनाया होता 1 ग्रेटर नोइडा वेस्ट में समस्याओं का अंबार है ट्रैफिक की समस्या है लेकिन मेट्रो का विस्तार वहां नहीं होगा क्यों ?

शहरी क्षेत्र के गांवों के हालात बदतर हैं न पानी की निकासी है न ही पक्की सड़कें हैं ये वही गांव हैं जिनके निवासियों की जमीनों पर ये अट्टालिकाएं खड़ी हैं ग्रामीण वंचित हैं यहां तक कि गांवों में खेल के मैदान /पार्क आदि तक नहीं दिए गए। युवा हतोत्साहित है उद्योग पलायन करते जा रहे हैं सांसद जी खामोश हैं। जनहित में इस तरह के अनेक प्रश्न निरन्तर जारी रहेंगे।

उन्होंने किसी भी प्रमुख मीडिया मंच पर पिछले दो बार के गौतमबुद्ध नगर लोकसभा के सांसद डॉ. महेश शर्मा को प्रमुख स्थानीय मुद्दों पर अपने साथ बहस करने की चुनौती भी दी 1 पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं में एक नए जोश का संचार हुआ और डॉ.शैलेंद्र सरोज की अगुवाई में सभी ने शपथ ली कि वह अपने मौलिक कर्तव्यों का निष्ठा पूर्वक निर्वहन करेंगे। कार्यक्रम में मौजूद रहे श्री वी डी शर्मा, श्री रंजीत मिश्रा, राजन यादव, नरेश राणा, मस्तराम यादव, अनुराग पांडेय, विजेन्द्र यादव, सुनील यादव, किशन राजपूत, सुनील कुमार, अंश मिश्रा, श्री अजीत दीक्षित, श्री आदित्य कुमार, श्री रामेन्द्र दीक्षित, श्री अभिनंदन, महेश रत्नाकर, श्रीमती श्वेता गुप्ता, युवराज, डॉ.अखिलेन्द्र खरे, डॉ.विष्णु मोहन श्रीवास्तव, डॉ.फ़ैज, अंकित अग्रवाल, स्तुति, सैफी खान, आर. वी. सिंह एवं अन्य सम्मानित अतिथिगण।

स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा माता सावित्री बाई फुले जी का नाम: सुमेर सिंह सैनी

नई दिल्ली। सैनी समाज रामपुरा त्रिनगर दिल्ली के तत्वाधान में माता सावित्री बाई फुले जी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत सैनी धर्मशाला रामपुरा में चित्रकला प्रतियोगिता, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर एवं दवाई वितरण, सरकारी सेवा में नवनियुक्त समाज बंधुओं के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर खेलकूद में पदक विजेता युवकों को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि अखिल भारतीय सैनी संगठन सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुमेर सिंह सैनी ने संबोधित करते हुए कहा कि सावित्री बाई फुले जी के नाम को शिक्षा जगत में कायाकल्प करने के लिए युगों-युगों तक याद किया जायेगा। विशिष्ट अतिथि के रुप में दिल्ली सरकार के पूर्व कानून मंत्री जितेन्द्र तोमर ने कहा कि सामाजिक कुरुतियों के विरुद्ध उनके संघर्ष को इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों लिखा जा चुका है। आवश्यकता है हम उनसे प्रेरणा ले और उनके बताये मार्ग पर चलकर समाज को सुशिक्षित करने में अपना पूर्ण योगदान करें।इस अवसर पर निगम पार्षद मीनू गोयल, सैनी संगठन के राष्ट्रीय महासचिव महेन्द्र सिंह सैनी, त्रिनगर मंडल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष मुकेश गांधी, आप नेता संजीव सैनी, सैनी समाज रामपुरा के संरक्षक मान सिंह सैनी, नंद किशोर सैनी, प्रधान श्रीचंद सैनी, विशन सैनी, शिवशंकर सैनी, महासचिव पवन सैनी, विरेन्द्र सैनी, कपिल सैनी, युवा नेता मनोज सैनी, जयभगवान दाहिया, डॉ. रामअवतार सैनी, रोहताश सैनी, हरकेश सैनी, राकेश सैनी, श्रीमती कुसुमलता सैनी, सुरेश सैनी, शिवा सैनी, बिजेन्द्र सैनी एवं अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने माता सावित्री बाई फुले की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके प्रति अपनी आस्था प्रकट की। मंच संचालन भाजपा युवा नेता मनोज सैनी ने किया एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाने में डॉ. रामअवतार सैनी ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नवीन ओडिशा में लोकप्रिय हैं, मोदी देश में लोकप्रिय हैं; राज्य में सरकार बनाने के लिए गठबंधन की जरूरत नहीं- पांडियन

मनोरंजन सासमल ,स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर : BJD नेता भी.के.पांडियन ने राज्य में होने वाले चुनाव को लेकर खोला अपना मुंह । BJD को सरकार बनाने के लिए किसी गठबंधन की जरूरत नहीं है । देश में मोदी सरकार और राज्य में नवीन पटनायक की सरकार बनेगी । नवीन-मोदी अच्छे राजनेता हैं ।उन्होंने कहा कि वह हमेशा लोगों के लिए काम करते रहते हैं । इसलिए आगे क्या होगा यह जल्द ही पता चल जाएगा । BJD नेता 5 टि और नवीन ओडिशा के चेयरमैन भि के पांडियन दिल्ली में एक निजी टीवी चैनल के कार्यक्रम में शामिल हुए । इस मौके पर पत्रकार ने देश और प्रदेश में होने वाले चुनाव को लेकर सवाल पूछा । जिसके जवाब में पांडियन ने कहा, नवीन पटनायक मेरे गुरु हैं । मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है । मैं मुख्यमंत्री के आदर्शों पर काम कर रहा हूं, मैं ऐसा करना जारी रखूंगा । नवीन पटनायक ने हमेशा राज्य के लोगों के लिए काम किया है। उनसे सीखने के लिए और भी बहुत कुछ है। लोकतंत्र में सबसे ज्यादा बार जीत हासिल करने वाला नेता । वहीं, राज्य में बीजेपी और बीजेपी के बीच गठबंधन के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि दोनों सरकारों ने जनता के लिए काम किया है. आने वाले चुनाव में दोनों पार्टियां जीतकर सरकार बनाएंगी ।इसलिए आगामी चुनाव में दोनों पार्टियों को किसी गठबंधन की जरूरत नहीं है । प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री एक अच्छे राजनीतिज्ञ हैं, लोगों के लिए काम कर रहे हैं ।

प्रतिभागियों की सेवा के लिये कुल 49 फ़र्स्ट एड पोस्ट विजय चौक से लाल किला तक लगाई गई....

नई दिल्ली। वर्ष की शुरुआत में देश के प्रथम सबसे बड़े त्यौहार गणतंत्र दिवस 2024 के दौरान परेड के रूट पर सेन्ट जोहन एम्बुलेंस ब्रिगेड दिल्ली द्वारा नागरिकों एवं परेड में हिस्सा ले रहे प्रतिभागियों की सेवा के लिये कुल 49 फ़र्स्ट एड पोस्ट विजय चौक से लाल किला तक लगाई गई। परेड शुरुआत से पहले दिल्ली ब्रिगेड की कमिशनर और निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं दिल्ली सरकार ने सभी पोस्टों का निरीक्षण किया। उनके साथ दिल्ली ब्रिगेड के अतिरिक्त आयुक्त श्री पी के राणा, उपायुक्त श्री ड़ी के शर्मा, उपायुक्त श्री ओजस एस वालिया, सहायक आयुक्त श्री पी ड़ी वर्खिया साथ रहे। गणतंत्र दिवस परेड 2024 के दौरान दिल्ली ब्रिगेड के 200 स्वयं सेवकों ने विभिन्न स्थानों पर अपनी सेवाएं प्रदान की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023